धनबाद
सोमवार 18.05.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-85 पृष्ठ-12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-2
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

सीएम 319 शिक्षकों और 17 महिला पर्यवेक्षिकाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

रांची (एजेंसी): झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार सोमवार को बड़ा कदम उठाने जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन १८ मई २०२६ को ३१९ नवनियुक्त सहायक आचार्यों (प्राथमिक शिक्षक) और १७ महिला पर्यवेक्षिकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर १ बजे से रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित होगा।

नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों में कक्षा एक से पांच तक के लिए चयनित १५८ तथा कक्षा छह से आठ तक के १६१ सहायक आचार्य शामिल हैं। इन अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग ने की है। राज्य सरकार का कहना है कि नई नियुक्तियों से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में लगी आग

रेलवे ट्रेक में हादसों से मचा हड़कंप • आग लगने के बाद भेजी गई राहत ट्रेन खाई में पलटी • मच गई चारों तरफ अफरा-तफरी

रतलाम (ईएमएस): त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस एसी कोच में आग हादसे के बाद मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में रेलवे सिस्टम में एक के बाद एक कई घटनाओं ने हड़कंप मचा दिया। दरअसल रविवार सुबह करीब ५:१५ बजे आलोट के पास लूणी रीछा-विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच राजधानी एक्सप्रेस (१२४३१) के एसी कोच बी-१ और उसके पीछे वाले सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में आग लग गई थी। समय रहते यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

ट्रेन त्रिवेंद्रम से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन जा रही थी और रतलाम जंक्शन से रवाना होने के कुछ घंटों के बाद यह घटना घटित हुई। कोच में ६८ यात्री सवार थे, जिन्हें रेलवे कर्मचारियों ने लगभग १५ मिनट के भीतर ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग कुछ ही देर में पीछे लगे सेकंड लगेज कम गार्ड वैन तक फैल गई, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि की कोई सूचना नहीं मिली है।

हादसे के बाद दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात रोक दिया गया और प्रभावित कोचों को ट्रेन से अलग कर दिया गया। बाद में राहत कार्यों के लिए रेलवे की कैरेज एंड वैगन (सी एंड डब्ल्यू) विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया। इसी दौरान राहत कार्य के लिए रवाना की गई एक रिलीफ ट्रेन शामगढ़-सुवासरा के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह वैन अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई, जिसमें ५ से अधिक कर्मचारी घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए कोटा रेफर किया गया है।

इसके अलावा एक अन्य दुर्घटना में राहत मेडिकल वैन के इंजन के ▶▶ 8

केरल में शपथ ग्रहण समारोह आज

मुख्यमंत्री सहित 21 की शपथ • गठबंधन के सभी सहयोगी दल शामिल

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस): केरल में नई यूडीएफ सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए चुने गए वी.डी.सतीसन ने मंत्रिमंडल की सूची राज्यपाल को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह १८ मई को सुबह १० बजे तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा।

यूडीएफ नेताओं के अनुसार मुख्यमंत्री सहित कुल २१ सदस्य शपथ लेंगे। इनमें २० मंत्री और मुख्यमंत्री शामिल हैं। पहली बार पूरा मंत्रिमंडल एक साथ शपथ ग्रहण करेगा। मंत्रिमंडल में कांग्रेस और सहयोगी दलों के नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

नई सरकार के गठन को लेकर राज्य में उत्साह देखा जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व ने दावा किया है कि नई सरकार विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देगी। शपथ ग्रहण समारोह में कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

आंध्र प्रदेश में घटती आबादी को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लॉन्च की योजना

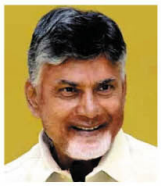

नई दिल्ली (ईएमएस): अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको ३० हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर ४० हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में घटती आबादी को लेकर चिंता जहिर करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर ३० हजार रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर ४० हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस योजना की पूरी जानकारी अगले एक महीने में जारी की जाएगी। सीएम ने यह घोषणा श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक जनसभा के दौरान की। वह यहां स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज मिलकर जन्म दर बढ़ाने की दिशा में काम करे।

दिलचस्प बात यह है कि पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में रहे हैं, ▶▶ 8

जमानत आदेश के बाद 10 मिनट में जेल से रिहाई

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में न्याय व्यवस्था को तेज और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूनिफाइड डिजिटल जस्टिस मॉडल लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत जमानत आदेश जारी होने के मात्र १० मिनट के भीतर बंदी की जेल से रिहाई संभव होगी।

एफआईआर दर्ज होते ही उसका रियल टाइम लिंक पुलिस, कोर्ट, जेल, फॉरेंसिक और मेडिकल सिस्टम से स्वतः जुड़ जाएगा। एआई आधारित डिजिटल कार्यप्रणाली से दस्तावेजों के आदान-प्रदान, सत्यापन और आदेशों की प्रक्रिया तेज होगी। इससे मामलों के निपटारे में लगने वाला समय घटेगा, मानवीय त्रुटियों ▶▶ 8

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज अब जजों की संख्या हुई 37

नियुक्ति को राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को ३३ से बढ़ाकर ३७ कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, २०२६ को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, १९५६ में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है।

इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर ३८ हो जाएगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि राष्ट्रपति द्वारा जारी इस अध्यादेश के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को ३३ से बढ़ाकर ३७ करने का ▶▶ 8

इंटर तथा स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का
नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री राधाकृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

दिनांक: 18 मई, 2026 | समय: अपराह्न 1:00 बजे
स्थान: एनेक्सी भवन, द्वितीय तल, प्रोजेक्ट भवन, झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रांची

PR 380052 (IPRD) 26-27

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

संपादकीय

आखिर हर साल क्यों बेबस दिखते हैं लोग?

उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि की वजह से जैसे हालात पैदा हुए, उसने एक बार फिर यही दर्शाया कि मौसम की मार से बचाव के लिए एहतियात बरतने से लेकर सटीक पूर्वानुमान को लेकर तकनीकी स्तर पर अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। राज्य के कई इलाकों में बुधवार की शाम को तेज आंधी-तूफान, बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि एक तरह से कहर बरपा रही थी और आम लोग उसके सामने लाचार थे।

कई जगहों पर तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कितनी ही जगहों पर भारी पेड़ उखड़कर वाहनों पर गिर गए और सड़कों के किनारे लगे बोर्ड उड़कर तेज रफ्तार से जमीन पर गिरे। करीब चौबीस घंटों के दौरान करीब सौ लोगों की जान चली गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई जिलों में दो हजार से ज्यादा गांवों में बिजली गुल हो गई। कुदरत के इस कहर के बाद मौसम विभाग ने राज्य के अड़तीस जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका के मद्देनजर पीली चेतावनी जारी की, लेकिन अफसोस की बात यह है कि पूर्वानुमानों के बावजूद कई बार ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं, जिनमें तूफान या बिजली गिरने की घटनाएं आम लोगों पर कहर बनकर टूटती हैं।

जाहिर है, मौसम की अपनी गति होती है और प्रकृति में उथल-पुथल के नतीजे में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अमूमन हर वर्ष अचानक मौसम का रुख बिगड़ने की आशंका के बावजूद आम लोग इससे बचाव के लिए एहतियात नहीं बरत पाते। इसका खमियाजा यह सामने आता है कि जिन हालात में कुछ लोगों की जान बच सकती थी, उसमें नाहक

ही कई लोगों की जान चली जाती है।

राज्य में मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती ढांचे और दक्षिण राजस्थान से आ रही हवाओं के प्रभाव से वहां कई जगहों पर अस्सी से सौ किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। नतीजतन, बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ। कई जगहों पर न केवल घरों की छत उड़ गई, बल्कि लोगों के लिए पांव टिकाना भी मुश्किल था। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मौसम में बचाव को लेकर जरूरी प्रशिक्षण के अभाव का नुकसान आम लोगों को किस स्तर पर उठाना पड़ता है। संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के साथ-साथ मौसम साफ होने लगे और उसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो, लेकिन इसके साथ यह भी सच्चाई है कि साल के इन महीनों में कई बार तेज रफ्तार से चलने वाला तूफान और ओलावृष्टि कई स्तर पर आम लोगों के लिए व्यापक क्षति और खतरे का वाहक बनते हैं। पिछले कुछ वर्षों से हर बार यह देखा जाता है कि एक ओर तूफान में पेड़ या घर गिरने जैसी घटनाओं की वजह से कई लोग मारे जाते हैं, तो दूसरी ओर घर से लेकर फसलों तक को व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन किए जाने की जरूरत है कि हाल के वर्षों में बिजली गिरने की घटनाओं में तेज इजाफा क्यों हुआ है, क्योंकि अकेले इस कारण से भी देश भर में काफी संख्या में लोगों की जान जा रही है। मौसम में तेज उतार-चढ़ाव को रोकना भले ही संभव न हो, लेकिन उससे बचाव के कुछ मामूली उपाय करके जानमाल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

तीन साल बाद भी क्यों नहीं थम रहा मैतेई-कुकी संघर्ष?

मणिपुर तीन साल से हिंसा की आग में झुलस रहा है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब ढाई सौ से ज्यादा लोग हिंसा में जान गंवा चुके हैं। हजारों लोगों के विस्थापन से राज्य का सामाजिक ताना-बाना टूट-सा गया है। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद आखिर क्या वजह है कि उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग सका है। बीते बुधवार को उग्रवादियों ने एक बार फिर हमला कर तीन लोगों की हत्या कर दी। कांगपोकपी जिले में अंधाधुंध गोलीबारी में चार नागरिक भी घायल हो गए। इस घटना से नाराज नागरिकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को बंद कर दिया। गौरतलब है कि यह मार्ग मणिपुर को न केवल नगालैंड से, बल्कि देश के अन्य हिस्सों से भी जोड़ता है। इस समय राज्य में कानून-व्यवस्था की जो स्थिति बनी हुई है, वह बेहद चिंताजनक है। एक बार फिर हुई हिंसा से साबित होता है कि सुरक्षा एजेंसियां सशस्त्र समूहों को नियंत्रित कर पाने में विफल रही हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप का भी कोई असर नहीं दिखता। समझौते भी औपचारिक बनकर रह गए हैं। दरअसल, मणिपुर में शांति बहाली का कोई भी प्रयास इसलिए भी नाकाम हो जाता है, क्योंकि परस्पर विरोधी समूहों को कायदे से अब तक संवाद की मेज पर नहीं लाया जा सका है और न ही शायद इसकी जरूरत महसूस की गई। यही वजह है कि अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे सशस्त्र समूहों में एक-दूसरे के प्रति संदेह और अविश्वास खत्म नहीं हो रहा। यह निराशाजनक ही है कि जब भी राज्य में थोड़ी-बहुत स्थिति सुधरती दिखाई देती है, कोई न कोई उग्रवादी हमला राज्य को हिंसा की आग में झोंक देता है। सरकार अगर अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों को संवाद के लिए राजी करती, तो शायद उनके बीच भरोसा कायम होता। मगर केंद्र से लेकर राज्य सरकारों के भीतर इस मसले पर कोई संजीदगी नहीं दिखती। आज राज्य में शांति प्रबंधन की नहीं, बल्कि उसे स्थापित करने के लिए सक्रिय होने की जरूरत है। इसके लिए राज्य सरकार और केंद्रीय सुरक्षा बलों को मिलकर काम करना होगा, अन्यथा मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

आज का कार्टून

क्या अब बदल जाएगी भारत की प्रवेश परीक्षा व्यवस्था?

एम. जगदेश कुमार

> विगत वर्षों के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस काम किए हैं, जैसे पहचान सत्यापन को बेहतर बनाना, संचालन संबंधी नियमों को सख्त करना और शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना। गौरतलब है कि लाखों अभ्यर्थी परीक्षाएं देते हैं, उत्तर कुंजी देखते हैं, आपत्तियां उठाते हैं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर परिणाम प्राप्त करते हैं। यह दर्शाता है कि यह व्यवस्था विशिष्ट पैमाने पर काम करते हुए लगातार विकसित और अनुकूलित हो रही है। हालांकि, नीट का अनुभव यह भी दर्शाता है कि एक ही दिन देशव्यापी परीक्षा को कागज-कलम स्वरूप में आयोजित करना जोखिम से कम नहीं है। बाईस लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी, छपाई, भंडारण और उनके परिवहन की प्रक्रिया व्यापक है और हर चरण संभावित कमजोरियों को जन्म देता है। ऐसे में एक छोटी-सी चूक भी बड़ा प्रभाव डाल सकती है और सार्वजनिक विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है, जैसा कि पिछले दिनों देखा गया।

भारत में प्रवेश परीक्षा केवल एक परीक्षा भर नहीं होती, बल्कि यह महीनों या अक्सर वर्षों की अनुशासित तैयारी की परिणति होती है। जब ऐसी परीक्षा बाधित हो जाती है, जैसा कि नीट 2026 के संदर्भ में सामने आया है, तो यह निस्संदेह चिंता का विषय है। पेपर लीक संबंधी आशंकाएं निर्मूल नहीं हैं। मगर इसके कारण परीक्षा रद्द होने से ईमानदारी से तैयारी करने वाले विद्यार्थियों और उनका साथ देने वाले अभिभावकों के न केवल सपने टूटे, बल्कि उनकी सारी मेहनत पर भी पानी फिर गया। उनके लिए यह अनिश्चितता चिंताजनक है। इस मुद्दे पर किसी भी तरह का मार्गदर्शन उनके प्रति सहानुभूति की भावना से होना चाहिए। इसके बाद जो आलोचना सामने आई है, वह समझ में आती है। फिर भी, यह आवश्यक है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को जो कार्य करना होता है, उसके पैमाने और जटिलता को भी समझा जाए।

हर वर्ष एनटीए परीक्षाओं की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करता है - जेईई (मेन), नीट (यूजी) और सीयूईटी (यूजी) जैसे स्नातक प्रवेश से लेकर सीयूईटी (पीजी) और सीमैट जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा यूजीसी-नेट जैसी पात्रता परीक्षा तक। इन परीक्षाओं में हर वर्ष लगभग 80 लाख अभ्यर्थी शामिल होते हैं, जो कभी-कभी एक करोड़ से अधिक तक पहुंच जाते हैं। कई अभ्यर्थी एक से अधिक परीक्षा में बैठते हैं, जिससे संचालन संबंधी जटिलता और बढ़ जाती है। विषयों की विविधता, अभ्यर्थियों की पृष्ठभूमि, परीक्षा प्रारूपों और समय-सीमाओं की भिन्नता इस पूरी प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण बना देती है।

इन परीक्षाओं का प्रबंधन बड़े पैमाने का 'लॉजिस्टिक' और सुरक्षा संचालन भी है। इसमें हजारों केंद्रों का समन्वय, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित साज-संभाल, अभ्यर्थियों की पहचान का सत्यापन, सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों का संचालन, शिकायतों का निपटान और सघन समय-सीमा में परिणाम तैयार करना शामिल है। ऐसी जटिल व्यवस्था को निरंतरता के साथ संचालित करना राष्ट्रीय स्तर की चुनौती है। इसे समझने और गंभीरता से लेने की जरूरत है।

इसी संदर्भ में नीट 2026 की स्थिति को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के व्यापक रिकॉर्ड के साथ भी देखा जाना चाहिए। इसकी स्थापना के बाद से पेपर लीक संबंधी चिंताओं के कारण पूरी परीक्षा रद्द होने की घटनाएं बहुत कम रही हैं, जिनमें यूजीसी-नेट जून 2024 का मामला और चर्तमान प्रकरण अपवाद हैं। यूजीसी-नेट के मामले में परीक्षा को संभावित गड़बड़ी के संदेह में रद्द किया गया और दोबारा आयोजित किया गया। इसी प्रकार, नीट (यूजी) 2024 में व्यापक आरोपों के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे देश में परीक्षा रद्द करने की सिफारिश नहीं की और यह कहा कि किसी तंत्रगत उल्लंघन का पर्याप्त प्रमाण सामने नहीं आया।

विगत वर्षों के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस काम किए हैं, जैसे पहचान सत्यापन को बेहतर बनाना, संचालन संबंधी नियमों को सख्त करना और शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना। गौरतलब है कि लाखों अभ्यर्थी परीक्षाएं देते हैं, उत्तर कुंजी देखते हैं, आपत्तियां उठाते हैं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर

परिणाम प्राप्त करते हैं। यह दर्शाता है कि यह व्यवस्था विशिष्ट पैमाने पर काम करते हुए लगातार विकसित और अनुकूलित हो रही है।

हालांकि, नीट का अनुभव यह भी दर्शाता है कि एक ही दिन देशव्यापी परीक्षा को कागज-कलम स्वरूप में आयोजित करना जोखिम से कम नहीं है। बाईस लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी, भंडारण और उनके परिवहन की प्रक्रिया व्यापक है और हर चरण संभावित कमजोरियों को जन्म देता है। ऐसे में एक छोटी-सी चूक भी बड़ा प्रभाव डाल सकती है और सार्वजनिक विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है, जैसा कि पिछले दिनों देखा गया। जब इतना कुछ एक ही दिन पर निर्भर हो जाता है, तो व्यवस्था स्वाभाविक रूप से नाजुक हो जाती है। इसलिए नीट 2026 से जो सबक मिलता है, वह यह है कि एकल बिंदु पर निर्भरता को कम किया जाए। यह अब जरूरी हो गया है।

हालांकि, इसका परखा हुआ एक विकल्प पहले से मौजूद है। एनटीए ने जेईई (मेन) और सीयूईटी जैसी बड़ी परीक्षाओं को कंप्यूटर-आधारित मोड में अनेक दिनों और सत्रों में सफलतापूर्वक आयोजित किया है। यह तरीका भौतिक रूप से प्रश्नपत्रों को लाने-ले जाने की चिंता को काफी हद तक कम कर देता है। इस लिहाज से देखें, तो प्रश्नपत्रों की बड़े पैमाने पर छपाई और परिवहन समाप्त होने से एक बड़े जोखिम को समाप्त किया जा सकता है। इस पर अमल होना चाहिए।

बहु-सत्रीय परीक्षा प्रणाली लचीलापन भी प्रदान करती है। यदि किसी विशेष सत्र में व्यवधान आता है, तो उसे स्थानीय स्तर पर दुरुस्त किया जा सकता है, वह भी पूरे परीक्षा चक्र को प्रभावित किए बिना। लाखों अभ्यर्थियों से जुड़ी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में यह क्षमता अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। निस्संदेह, कंप्यूटर-आधारित परीक्षा अपने साथ कुछ चुनौतियां भी लाती है, परंतु अनुभव बताता है कि इन्हें प्रबंधित किया जा सकता है और इससे संपूर्ण प्रणाली अधिक सुदृढ़ बनती है।

डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने एक स्पष्ट और संतुलित मार्गदर्शन किया है। समिति के प्रमुख सुझावों में बड़े पैमाने की परीक्षाओं के लिए बहु-सत्रीय प्रणाली और पारदर्शी सामान्यीकरण पद्धति का उपयोग शामिल है। साथ ही, कंप्यूटर-सहायता प्राप्त सुरक्षित कागज-कलम परीक्षा (सीपीपीटी) का प्रस्ताव भी दिया गया है, जिसमें प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रूप से केंद्रों तक भेजकर वहीं मुद्रित किया जाए, जिससे उनके साज-संभाल और परिवहन से जुड़े जोखिम कम हों तथा पेपर लीक जैसी घटनाएं न हों। इन सभी सुझावों को मिलाकर देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि नीट को बहु-सत्रीय कंप्यूटर-आधारित प्रणाली की ओर चरणबद्ध तरीके से ले जाना अब आवश्यक है। ऐसी व्यवस्था में पूरी परीक्षा रद्द किए बिना सभी अड़चनों का समाधान संभव होगा। इससे निरंतरता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। विद्यार्थियों का भी भरोसा बढ़ेगा।

इन सबके अलावा एक चिंता सत्रों के बीच निष्पक्षता की भी है। बहु-सत्रीय परीक्षाओं में प्रश्नपत्र में कुछ अंतर हो सकता है, लेकिन इसे सामान्यीकरण के माध्यम से संतुलित किया जाता है। यह साक्ष्यिकीय पद्धति सुनिश्चित करती है कि किसी भी छात्र को उसके सत्र के कारण लाभ या हानि न हो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पहले से ही जेईई (मेन) और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं में इस पद्धति का सफल उपयोग कर रही है। वास्तव में, सामान्यीकरण एक ऐसी व्यवस्था है जो 'सत्रीय लाभ' से छात्रों की रक्षा करती है और विभिन्न सत्रों के अंकों को एक समान आधार पर लाती है। इसकी मूल शर्त पारदर्शिता है। इसमें यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है और निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित की जाती है।

विद्यार्थियों की इतनी बड़ी संख्या वाले देश में एक सशक्त राष्ट्रीय परीक्षा संस्था की आवश्यकता अनिवार्य है। इसलिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को व्यापक आलोचना के माध्यम से कमजोर करने के बजाय ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि नीट के लिए अधिक सुदृढ़ और लचीले तौर-तरीके अपनाए जाएं और ऐसी रूपरेखा तैयार की जाए, जो भारत के पैमाने के अनुरूप हो।

क्या हर मुश्किल से लड़ना जरूरी है?

> किसी के लिए आर्थिक कठिनाई सबसे बड़ी समस्या हो सकती है, तो किसी के लिए संबंधों में तनाव या मानसिक दबाव। यही कारण है कि एक ही सलाह सभी लोगों के लिए समान रूप से उपयोगी नहीं हो सकती। हम अक्सर लोगों को सामान्य रूप से यह कह देते हैं कि 'घबराओ मत, मजबूत बनो, परिस्थितियों से लड़ो।' मगर यह समझना भी उतना ही जरूरी है कि हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता और संवेदनशीलता अलग-अलग होती है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति स्वभाव से अत्यंत संवेदनशील होता है। ऐसी स्थिति में जब वह किसी कठिन दौर से गुजर रहा होता है, तो उसका मन पहले ही बहुत अधिक दबाव में होता है।

मेघा राठी

अक्सर हम बचपन से एक वाक्य सुनते आए हैं - 'विपरीत परिस्थितियों से डरो नहीं, उनसे लड़ो।' यह वाक्य सुनने में बहुत प्रेरणादायक लगता है और कई बार लोगों को कठिन समय में हिम्मत भी देता है। अगर गहराई से देखा जाए, तो हर परिस्थिति से 'लड़ना' हमेशा सही तरीका नहीं होता। कई बार परिस्थितियों से लड़ने की जगह उन्हें समझना अधिक आवश्यक होता है, क्योंकि जब हम केवल लड़ने की मानसिकता के साथ किसी समस्या का सामना करते हैं, तो हमारा ध्यान समस्या के मूल कारण को समझने के बजाय सिर्फ उससे किसी तरह बाहर निकलने पर केंद्रित हो जाता है।

ऐसी स्थिति में हमारा मन और मस्तिष्क दोनों ही असंतुलित अवस्था में होते हैं। तनाव, घबराहट और असुरक्षा की भावना हमारे निर्णय को प्रभावित करती है। परिणामस्वरूप, हम जो भी कदम उठाते हैं, वे कई बार जल्दबाजी में उठाए गए होते हैं। ऐसे प्रयास न केवल समस्या का समाधान नहीं करते, बल्कि कई बार हमें और अधिक उलझन में डाल देते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम विपरीत परिस्थितियों को केवल संघर्ष का मैदान न मानें, बल्कि उन्हें समझने और सीखने का अवसर भी समझें। विपरीत

परिस्थितियां हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं, लेकिन उनका स्वरूप और प्रभाव हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। किसी के लिए आर्थिक कठिनाई सबसे बड़ी समस्या हो सकती है, तो किसी के लिए संबंधों में तनाव या मानसिक दबाव। यही कारण है कि एक ही सलाह सभी लोगों के लिए समान रूप से उपयोगी नहीं हो सकती। हम अक्सर लोगों को सामान्य रूप से यह कह देते हैं कि 'घबराओ मत, मजबूत बनो, परिस्थितियों से लड़ो।' मगर यह समझना भी उतना ही जरूरी है कि हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता और संवेदनशीलता अलग-अलग होती है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति स्वभाव से अत्यंत संवेदनशील होता है। ऐसी स्थिति में जब वह किसी कठिन दौर से गुजर रहा होता है, तो उसका मन पहले ही बहुत अधिक दबाव में होता है। अगर ऐसे व्यक्ति को केवल यह कह दिया जाए कि 'शांत रहो' या 'मजबूत बनो', तो यह सलाह उसके लिए पर्याप्त नहीं होती। कई बार वह और अधिक असहाय महसूस करने लगता है। वास्तव में, ऐसे समय में उसे समझने, सुनने और सहारा देने की आवश्यकता होती है। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे समझा जा रहा है और उसका साथ दिया जा रहा है, तब उसके भीतर स्वयं ही शांति और संतुलन लौटने लगता है। विपरीत परिस्थितियों से निकलने का सबसे प्रभावी तरीका यह है कि पहले हम उस स्थिति को पूरी तरह समझने का प्रयास करें। समस्या क्या है, उसका कारण क्या है और उसका प्रभाव किन-किन पहलुओं पर पड़ रहा है– इन सभी बातों पर शांत मन से विचार करना आवश्यक होता है। जब हम थोड़ी देर रुककर स्थिति को देखते हैं, तब कई बार हमें ऐसे पहलू दिखाई देते हैं, जिन्हें जल्दबाजी में हम अनदेखा कर देते हैं।

इसके साथ ही अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना भी बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। जब मन अत्यधिक विचलित होता है, तब सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। इसलिए सबसे पहले स्वयं को थोड़ा समय देना चाहिए, ताकि मन शांत हो सके। यह शांति हमें स्थिति को स्पष्ट रूप से देखने की क्षमता देती है। जब मन स्थिर होता है, तब हम तर्क और विवेक के साथ सोच पाते हैं।इसके बाद समाधान की दिशा में छोटे-छोटे और सोच-समझकर कदम उठाना अधिक उपयोगी होता है। यह आवश्यक नहीं कि हर समस्या का समाधान तुरंत मिल जाए। कई बार समाधान धीरे-धीरे सामने आता है, लेकिन हम अगर धैर्य और समझदारी के साथ आगे बढ़ते हैं, तो रास्ते स्वयं बनने लगते हैं। छोटे कदम हमें न केवल समस्या से बाहर निकालने में मदद करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं।

इसके विपरीत, अगर हम केवल संघर्ष की भावना से प्रेरित होकर जल्दबाजी में निर्णय लेते हैं, तो कई बार वे निर्णय तर्कहीन साबित होते हैं। ऐसे निर्णय क्षणिक राहत तो दे सकते हैं, लेकिन दीर्घकालिक रूप से वे नई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम किसी भी कठिन परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने से पहले थोड़ी देर ठहरें और सोचें।वास्तव में, जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें बहुत कुछ सिखाती भी हैं। वे हमें अपने भीतर झांकने का अवसर देती हैं। हम यह समझ पाते हैं कि हमारी वास्तविक शक्तियां क्या हैं और हमारी सीमाएं कहां हैं। जब हम समस्याओं को समझने की दृष्टि विकसित करते हैं, तब हम केवल उनसे बचने या उनसे लड़ने की कोशिश नहीं करते, बल्कि उनसे सीखकर आगे बढ़ते हैं।इस दृष्टिकोण का एक और महत्त्वपूर्ण लाभ यह है कि यह हमारे भीतर मानसिक और भावनात्मक स्थिरता बनाए रखता है। जब हम हर समस्या को युद्ध की तरह नहीं देखते, तब हमारे भीतर अनावश्यक तनाव भी कम होता है। हम अधिक संतुलित और परिपक्व तरीके से जीवन की चुनौतियों का सामना कर पाते हैं। यह कहा जा सकता है कि विपरीत परिस्थितियों में केवल 'लड़ना' ही समाधान नहीं है। कई बार समझ, धैर्य और संतुलन ही सबसे बड़ी शक्ति बन जाते हैं। जब हम परिस्थितियों को गहराई से समझते हैं और फिर सोच-समझकर कदम उठाते हैं, तब समाधान अधिक स्थायी और प्रभावी होता है। इस प्रकार, विपरीत परिस्थितियों में 'समझकर समाधान करना' ही सबसे टिकाऊ और सुरक्षित मार्ग है। यही दृष्टिकोण हमें कठिन समय में भी स्थिर, संतुलित और सशक्त बनाए रखता है। जीवन में आने वाली चुनौतियां तब बोझ नहीं रह जातीं, बल्कि हमारे अनुभव और परिपक्वता का आधार बन जाती हैं।

जेल अदालत व स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

धनबाद (कासं) : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि शिविर का उद्देश्य बंदियों को त्वरित न्यायिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श देना था। जेल अदालत में बंदियों से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई तथा उन्हें कानूनी अधिकारों एवं सहायता की जानकारी दी गई।

वहीं स्वास्थ्य जांच शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान सामान्य स्वास्थ्य, रक्तचाप, शुगर सहित अन्य बीमारियों की जांच कर आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई।उन्होंने कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा को लेकर समयसमय पर इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु, सहायक कन्हैयालाल ठाकुर, नीरज गोयल, शैलेंद्र झा, सुमन पाठक, स्वाति कुमारी, मुस्कान चोपड़ा, जेलर, सौरव सरकार, अरुण कुमार चिकित्सक दल, न्यायिक पदाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में तीन घायल

राजगंज (ससे) : राजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दिल्लीकोलकाता हाईवे पर महेशपुर मोड़ के समीप अहले सुबह एक सड़क हादसा हो गया। बताया जाता है कि चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे से आ रही क्रेटा कार अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराई। हादसे में क्रेटा कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार में लगे एयरबैग खुल जाने से बड़ा हादसा टल गया और सवार लोगों की जान बच गई। कार में चालक मयंक के साथ उसके दो दोस्त सत्यम और देव सवार थे। दुर्घटना में तीनों को हल्की चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार सभी युवक हीरापुर के रहने वाले हैं और तोपचाची क्षेत्र के होटल से धनबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान महेशपुर मोड़ के पास यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बाद में दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार को हाइड्रा मशीन की मदद से हटाकर राजगंज थाना ले जाया गया।

सदर अस्पताल में उच्च रक्तचाप दिवस पर कार्यक्रम शुरू

धनबाद (कासं) : विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा तथा सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन ने खुशहाल जीवन जीने और तनाव मुक्त रहने पर जोर दिया। कहा कि इससे हर व्यक्ति उक्त रक्तचाप की बीमारी से दूर रह सकता है। बताया कि इस वर्ष विश्व उच्च रक्तचाप दिवस की थीम अपने रक्तचाप को सही जाने, इसे नियंत्रित करें, लंबा और स्वस्थ जीवन पाएं, है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर २४ मई तक उच्च रक्तचाप तथा इससे बचाव से संबंधित जानकारी को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रसारित करते हुए आम जनमानस को जागरुक किया जाएगा। साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध चिकित्सा पदाधिकारी, कर्मियों तथा आमजनों का उच्च रक्तचाप की जाँच की जाएगी। कार्यक्रम में सभी चिकित्सा पदाधिकारी, दंत चिकित्सा पदाधिकारी, एन.सी.डी. सेल एवं सदर अस्पताल के कर्मी उपस्थित रहे।

महुदा इंटर कॉलेज के खिलाफ आज से धरना

कतरास (ससे) : महुदा इंटर कॉलेज में प्रबंधन और निगरानी समिति के बीच विवाद गहराता जा रहा है। महुदा इंटर कॉलेज निगरानी समिति ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। समिति ने घोषणा की है कि पूर्व के आश्वासनों पर कार्रवाई न होने के विरोध में १८ मई से पुन: अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए समिति के सदस्य प्रदीप महतो ने कॉलेज के सचिव दीपनारायण शर्मा पर वित्तीय अनियमितता, नियम विरुद्ध बहाली और कर्मचारियों को अवैध रूप से नौकरी से निकालने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए।

इसके साथ ही उन्होंने बाघमारा विधायक सह शासी निकाय के अध्यक्ष शत्रुधन महतो पर भी निशाना साधा। प्रदीप महतो ने आरोप लगाया कि विधायक द्वारा आरोपी सचिव को राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनके हौसले बुलंद हैं।

निगरानी समिति के सदस्यों ने बताया कि इससे पूर्व भी इन मुद्दों को लेकर ९ सूत्री मांगों के समर्थन में आमरण अनशन किया गया था। उस समय स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने लिखित आश्वासन देकर अनशन समाप्त करवाया था, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी अब तक एक भी मांग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी वादाखिलाफी के कारण समिति दोबारा आंदोलन की राह पर जाने को मजबूर हुई है।

वित्तीय जांच में कॉलेज में हुई वित्तीय अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। प्रेस वार्ता के दौरान समिति ने कॉलेज सचिव दीपनारायण शर्मा द्वारा हाल ही में पत्रकारों के साथ किए गए अपमानजनक और अभद्र व्यवहार की भी कड़े शब्दों में निंदा की। समिति ने जिला प्रशासन से इस मामले का संज्ञान लेते हुए त्वरित और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने की कॉलेज सचिव पर कार्रवाई की मांग

कतरास (ससे) : धनबाद जिला परिषद अध्यक्ष सह समिति सदस्य शारदा सिंह ने कॉलेज सचिव के रवैए पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सचिव श्री शर्मा द्वारा पत्रकारों के साथ की गई अभद्र टिप्पणी और उनके अपमान पर गहरी नाराजगी जताते हुए पुलिसप्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शारदा सिंह ने कॉलेज की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा जिस कॉलेज की नींव स्थानीय लोगों के श्रमदान और बड़े बलिदानों से रखी गई थी, आज वहां शिक्षा के बजाय गंदी राजनीति और भ्रष्टाचार हावी हो चुका है। एक सुनियोजित साजिश के तहत कॉलेज को बर्बादी के गर्त में धकेला जा रहा है।

जिला परिषद अध्यक्ष ने स्थानीय प्रशासन और उच्च अधिकारियों से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि कॉलेज को भ्रष्टाचार और अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त कराकर शिक्षा का माहौल बहाल किया जाए, ताकि स्थानीय युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके।

टावर पर चढ़कर प्रेमी को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की मांग

गोमो (ससे) : सुबह उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब एक युवती अपने प्रेमी को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब डेढ़ घंटे तक चला यह हाईबोल्टेज ड्रामा से लोगों की सांसे थम गई। मौके पर भीड़ जुटी रही, पुलिस समझाती रही, और युवती अपनी जिद पर अड़ी रही। पूरा मामला गोमो के सिकलाइन इलाके का है। बताया जा रहा है कि शाहरिया की रहने वाली देवन्ती कुमारी नाम की युवती एक शादीशुदा युवक से प्रेम करती है। उक्त युवक को किसी मामले में निमियाघाट थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

अपने प्रेमी की गिरफ्तारी से आहत युवती सीधे सिकलाइन स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गई और नीचे से पुलिस और स्थानीय लोगों के समझाने के बावजूद उतरने से इनकार करती रही। युवती की मांग थी कि उसके प्रेमी को तुरंत छोड़ा जाए और उससे शादी कराई जाए। टावर पर चढ़ी युवती को देखने के लिए मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। हालात को देखते हुए हरिहरपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद युवती को समझाबुझाकर सुरक्षित नीचे उतारा गया। करीब डेढ़ घंटे तक चले इस ड्रामे के बाद जब युवती नीचे उतरी तो पुलिस उसे थाने लेकर गई।

परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है और उन्हें थाने बुलाया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। वही मुखिया अहमद अली ने बताया कि लड़की काफी देर तक टावर पर चढ़ी रही। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर उसे समझाया, तब जाकर वह नीचे उतरी। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रेम प्रसंग के इस मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। समय रहते पुलिस की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। अब सबकी नजर पुलिस की आगे की कार्रवाई पर टिकी।

सीआईएसएफ ने छापामारी कर अवैध कोयला किया जब्त

कतरास (ससे) : बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ सीआईएसएफ ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ ने अलगअलग थाना क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस और प्रबंधन के साथ मिलकर छापेमारी की, जिससे कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया है।

बीसीसीएल एरिया ५ के अंतर्गत आने वाले बासदेवपुर क्षेत्र में सीआईएसएफ को अवैध कोयले के परिवहन की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सीआईएसएफ की टीम ने छापेमारी कर अवैध कोयले से लदे २ हाइवा (लगभग २५ टन कोयला) को जब्त कर लिया। कागजात न मिलने पर सुरक्षा बलों ने इसे अवैध घोषित करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए बीसीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया है। दूसरी ओर बीसीसीएल एरिया ४ के तहत आने वाले राम कनाली ओपी क्षेत्र में हुई। यहाँ काटा पहाड़ी स्थित 'बुद्धु बाबू बंगला' के समीप बड़े पैमाने पर अवैध कोयला जमा किए जाने की खबर थी।

इस पर सीआईएसएफ, बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी (रेड) की। इस कार्रवाई के बाद से इलाके के अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस और सुरक्षा बलों का कहना है कि अवैध कोयला खनन और परिवहन के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जेईई एडवांस परीक्षा संपन्न

धनबाद (कासं) : देश के प्रतिष्ठित २३ आईआईटी समेत अन्य शीर्ष तकनीकी संस्थानों में नामांकन के लिए जेईई एडवांस परीक्षा आयोजित की गई। धनबाद में परीक्षा के लिए दो केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ देखने को मिली। परीक्षा दो पालियों में हुई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती गई।

पहली पाली की परीक्षा सुबह ९ से दोपहर १२ बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से काफी पहले ही छात्र-छात्राएं केंद्रों पर पहुंच गए थे। प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की कड़ी जांच की गई और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भी भारी भीड़ देखने को मिली। पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद बाहर निकले छात्रों ने पेपर को संतुलित बताया। अधिकांश परीक्षार्थियों के अनुसार इस बार मैथ और फिजिक्स सेक्शन में कुछ सवाल चुनौतीपूर्ण थे, जबकि केमिस्ट्री अपेक्षाकृत आसान रही। छात्रों का कहना था कि नियमित तैयारी करने वालों के लिए पेपर ज्यादा कठिन नहीं था। भूली निवासी परीक्षार्थी कुमार राज ने बताया कि उनकी परीक्षा काफी अच्छी गई है और उन्हें अच्छे अंकों के साथ क्वालिफाई करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनका सपना कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग करने का है और उनकी पहली पसंद आईएसएम धनबाद है। वहीं धनबाद की रहने वाली तनिष्का ने भी परीक्षा को संतुलित बताते हुए कहा कि सही समय प्रबंधन की वजह से वे सभी सवाल हल कर सकीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाना उनका लक्ष्य है। परीक्षा समाप्त होने के बाद अब छात्रों को रिजल्ट का इंतजार है, जिसके आधार पर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में दाखिला मिलेगा।

पवित्रम सेवा दल ने गौ तस्करी के वाहन को पकड़ा

धनबाद (कासं) : बिनोद बिहारी चौक के समीप सुबह कथित गौ तस्करी के आरोप में लोगों ने एक टाटा मैजिक वाहन को पकड़ लिया। वाहन में गौवंशों को ठूंसठूंस कर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन समेत पांच गौवंशों को कैंजे में लेकर धनबाद थाना ले गई। मामले में झारखंड गौहत्या प्रतिषेध अधिनियम और परिवहन नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पवित्रम सेवा दल के सदस्यों के अनुसार सुबह करीब ९ बजे बिनोद बिहारी चौक के पास लोगों को तेज रफ्तार से गुजर रहे एक टाटा मैजिक वाहन पर संदेह हुआ। जब स्थानीय लोगों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो चालक कथित रूप से वाहन लेकर भागने लगा। इसके बाद दुकानदारों और राहगीरों की मदद से वाहन को रोक लिया गया। वाहन की जांच करने पर उसमें १० गौवंश पाए गए। इनमें पांच दुधारू गाय, चार बछड़ियां और एक बछड़ा शामिल है। आरोप है कि सभी गौवंशों को बेरहमी से बांधकर रखा गया था और वाहन में चारापानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। वाहन को तिरपाल से पूरी तरह ढंका गया था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक कोई वैध कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं दिखा सका। इसी दौरान कथित रूप से कुछ लोगों की मदद से पांच दुधारू गाय मौके से भगा दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस और जीवजंतु कल्याण बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची और शेष बचे पांच गौवंशों को रेस्क्यू कर धनबाद थाना ले गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रकाश राम को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : भारतीय सुदर्शन समाज महासंघ एवं प्रगति संगठन डोम समाज धनबाद महानगर कमिटी की ओर से स्व. प्रकाश राम की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में महानगर कमिटी के सम्मानित सदस्य एवं महिला मोर्चा की टीम भी उपस्थित रही।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष बिरजन राम ने अपने संबोधन में स्व. प्रकाश राम के लगभग ३० वर्षों के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यकाल को याद करते हुए उनके संघर्षों और योगदानों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्व. प्रकाश राम ने समाज एवं संगठन को मजबूत करने के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

उनके द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी, झारखंड राज्य में जाति प्रमाण पत्र आंदोलन, राज्यपाल भवन घेराव, हाथरस हत्याकांड में मनीषा वाल्मीकि को न्याय दिलाने हेतु धनबाद मुख्यालय में कैंडल मार्च, रांची डोम समाज की बेटी एवं आईआईटी छात्रा मामले में कांग्रेस अनुसूचित विभाग कार्यालय का घेराव, तथा धनबाद डीसी को स्थानीय जांच के आधार पर जाति प्रमाण पत्र आवेदन देने की मांग प्रमुख रही।

इसके साथ ही उन्होंने पूरे धनबाद जिला को एक सूत्र में जोड़ने, सामाजिक सम्मेलन एवं वन भोज कार्यक्रमों के सफल आयोजन तथा समाज के उत्थान हेतु अनेक महत्वपूर्ण कार्यों का नेतृत्व किया।

स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन

धनबाद (कासं) : धनबाद के मेमको मोड़ स्थित स्पोर्ट्स कंप्लेक्स में पांचवा झारखंड स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन हुआ। प्रतियोगिता में राज्यभर १३ जिला से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता की सबसे खास बात यह रही कि झारखंड किक बॉक्सिंग के इतिहास में पहली बार डेनाइट मुकाबलों का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यह अनुभव बेहद रोमांचक और आकर्षक रहा। प्रतियोगिता का संचालन एवं के अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रमाणित रेफरीज़ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। आयोजकों ने बताया कि किक बॉक्सिंग खेल के प्रति खिलाड़ियों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। पिछले वर्ष की

तुलना में इस बार काफी अधिक संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया है, जो इस खेल के उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा करता है। चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए आयोजक राज संचु राजवार एवं झारखंड किक बॉक्सिंग टीम की भी खूब प्रशंसा की गई। धनबाद खेल विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा एवं उनकी टीम के सहयोग की खिलाड़ियों, कोच और खेल प्रेमियों ने सराहना की। उनके प्रयासों से झारखंड में किक बॉक्सिंग खेल को नई पहचान और नई दिशा मिल रही है। खिलाड़ियों और अभिभावकों ने आयोजन की व्यवस्थाओं, अनुशासन एवं उच्चस्तरीय मुकाबलों को सराहा। खेल जगत के लोगों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से झारखंड में किक बॉक्सिंग लगातार नए स्तर पर पहुंच रही है। साथ ही झारखंड किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन में झारखंड किक बॉक्सिंग लगातार नई ऊंचाइयों की ओर निरंतर बढ़ रही है।

जीवन का आधार है योग, इसके बिना कुछ नहीं : सूबेदार मेजर ब्रज भूषण

बोकारो (ससे): विद्यार्थियों में योग विद्या के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बेकारो में आयोजित दोदिवसीय चतुर्थ योगासन क्रीड़ा प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। शहर के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे २५० से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंडर- ९, अंडर- १४ (सब-जूनियर) और अंडर- १८ (जूनियर) आयुवर्गों में प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता की कलात्मक तथा पारंपरिक योग स्पर्धाओं में अपनी काबिलियत दिखाई।

सभी वर्गों में समेकित प्रदर्शन के आधार पर डीपीएस बोकारो की टीम ने एक बार पुनः ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीता। दूसरे स्थान पर गुरु गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), सेक्टर-५ और तीसरे पायदान पर एआरएस पब्लिक स्कूल की टीम रही।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि देश के जाने-माने बॉक्सिंग चैम्पियन द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सूबेदार मेजर ब्रज भूषण मोहंती ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। श्री मोहंती ने योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के मुख्य संरक्षक, प्रतियोगिता आयोजक बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन (बीडीवाईएसए) के अध्यक्ष एवं मेजबान डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के साथ प्रत्येक स्पर्धा के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। अंडर- ९ बालक-बालिका के लिए केवल सूर्य नमस्कार, अंडर- १४ सब-जूनियर एवं अंडर- १८ जूनियर बालक-बालिका के लिए ट्रेडिशनल योगासना के अलावा आर्टिस्टिक सिंगल एंड पेयर, रिदमिक पेयर, बैकवर्ड बेंड, फॉरवर्ड बेंड, सुपाइन, ट्विस्टिंग, लेग बैलेंस, हैंड बैलेंस एवं ग्रुप आर्टिस्टिक स्पर्धाएं आयोजित की गई। इनमें प्रतिभागियों ने जमकर अपनी योगकला प्रदर्शित की। खास तौर से छोटे-छोटे योगवीरों का शारीरिक संतुलन और उनकी स्फूर्ति देखते ही बन रही थी।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री मोहंती ने योग को जीवन का आधार बताया। कहा कि इसके बिना कहीं कुछ भी नहीं। क्रीड़ा के रूप में योगासन के प्रति जिस प्रकार से आज चौतरफा क्रांति आई है, वह अपने-आप में सराहनीय है। इस दिशा में उन्होंने एसोसिएशन एवं डीपीएस बोकारो के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। यहां आकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिलास्तरीय इस आयोजन में बच्चों की जो उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखी, वह किसी राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम से कम नहीं। उन्होंने यह प्रयास आगे भी जारी रखते हुए योगासन को ओलंपिक तक में सशक्त भागीदारी से प्रतिष्ठित करने का संदेश दिया।

प्राचार्य डॉ. गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने योग को सतत आगे बढ़ाने की दिशा में एसोसिएशन और विद्यालय की ओर से हरसंभव सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही, सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी बच्चों, उनके शिक्षकों एवं समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसके पूर्व, समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि के स्वागत और छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत प्रेम, प्रकृति व जीवन के उत्सव को दर्शाते मनभावन आसामी लोकनृत्य से हुई। डॉ. गंगवार ने एसोसिएशन की राज्य इकाई के महासचिव चंदू कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष एवं प्रतियोगिता के तकनीकी निदेशक प्रशांत कुमार सिंह सहित तकनीकी पदाधिकारियों में चैताली मुखर्जी, उषा शर्मा, अजय कुमार महतो, पूजा सिंह, रितिका जोशी, प्रदीप कुमार साहु और बोकारो इकाई की संयुक्त सचिव निभा कुमारी को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

मंच संचालन बीडीवाईएसए के सचिव, प्रतियोगिता के निदेशक एवं डीपीएस बोकारो के वरीय क्रीड़ा शिक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने किया। जबकि, अंत में धन्यवाद ज्ञापन बीडीवाईएसए के उपाध्यक्ष एवं विद्यालय के वरीय उपप्राचार्य अंजनी भूषण ने किया। सफल आयोजन में कोषाध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रशासक राजन कुमार सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्वदेशी जागरण मंच कार्यालय का उद्घाटन

बोकारो (ससे): स्वदेशी जागरण मंच बोकारो के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। पूजा के मुख्य जजमान स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार की अगुवाई में पूजा पाठ व हवन के साथ कार्यालय का विधिवत उद्घाटन हुआ।

इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय प्रयांशी जगन्नाथ शाही, मंच के क्षेत्रीय संयोजक राजेश उपाध्याय ,पूर्व विधायक बीरांची नारायण, रोहित लाल सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, अजय चौधरी 'दीपक' आदि सामूहिक रूप से पूजा हवन में शामिल हुए। इस मौके पर मंच के अखिल मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच का अपना कार्यालय होने से स्वदेशी आंदोलन को और मजबूती मिलेग। उन्होंने कहा कि स्थाई कार्यालय होने से स्वदेशी की रणनीति को बल मिलेगी। इस मौके पर विवेकानंद झा प्रमोद कुमार सिन्हा जिला संयोजक, रोहित लाल सिंह, के के बोराल , विवेक सिंह, दीपक चौधरी, अजय सिंह, ददन प्रसाद, जयशंकर प्रसाद, कुमार संजय, नवीन सिन्हा, बिनोद चौधरी, पूनम सिन्हा, मनोरमा चौधरी, अनुजा सिंह, राधा सिंह, अनीता सिंह, प्रतिमा प्रसाद, आशा सिन्हा,विवेकानंद झा, राम टहल सिंह एवं दर्ज़नों कार्यकर्ताओं के साथ अनुषंगी के पदाधिकारी और आम नागरिक उपस्थित थें.

गिरिडीह में पत्रकार सम्मान समारोह संपन्न संगठन मजबूती पर दिया गया जोर

गिरिडीह (ससे): ऑल इंडिया स्मॉल एन्ड मिडियम जर्नीलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से गिरिडीह न्यू परिसदन में प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रसाद श्रीवास्तव के अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय लाल ने की, जबकि संचालन अभय कुमार ने किया समारोह के दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रसाद श्रीवास्तव का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया।

वहीं जिला कमेटी की ओर से प्रदेश कानूनी सलाहकार सुभाष करतियार एवं प्रमंडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह को भी अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। धनबाद जिला अध्यक्ष राहुल कुमार द्वारा प्रदेश अध्यक्ष को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर गिरिडीह जिला प्रभारी अभय कुमार को प्रमंडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह द्वारा नई जिम्मेदारी सौंपि जाने की घोषणा भी की गई।अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है और पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन निरंतर कार्य करता रहेगा।

उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा पत्रकार हित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया प्रदेश कानूनी सलाहकार सुभाष करतियार ने कहा कि पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी सहायता उपलब्ध कराना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने पत्रकारों को कानून संबंधी जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया प्रमंडल प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि संगठन पत्रकारों के मान-सम्मान एवं कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला अध्यक्ष संजय लाल, बोकारो के प्रशांत सिन्हा, धनबाद के राहुल कुमार, नित्यानंद प्रसाद, सुनील राज, चंदन प्रसाद, संतोष कुमार पाठक, मनोज कुमार, तेजेन्दर सिंह, एएमएस अमन, नवीन कुमार सिकदार, बिक्रम मिश्रा, रंजीत कुमार सिन्हा, हीरा सिंह, नवीन कुमार, चंदन कुमार, राकेश भड़ानी, मनमोहन कुमार, सेलेश चंद्र, हेमंत कुमार, दीपक कुमार पांडे, प्रकाश कुमार सिन्हा, राहुल कुमार, राजदीप आर्यन, संजय ठठेरा सहित उपस्थित सभी पत्रकारों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

सोनपुर में सम्मेलन कक्ष निर्माण कार्य का शुभारंभ

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेलवे के प्रशासनिक एवं संस्थागत अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा रेलवे ऑफिसर्स क्लब, सोनपुर में नवनिर्मित होने वाले सम्मेलन एवं बैठक कक्ष के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। महाप्रबंधक ने निर्माण स्थल का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता, समयबद्धता एवं आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना रेलवे प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रस्तावित सम्मेलन एवं बैठक कक्ष के निर्माण से प्रशासनिक बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, परिचर्चाओं एवं विभिन्न आधिकारिक आयोजनों के संचालन में सुविधा एवं दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास किसी भी संगठन की कार्यक्षमता को नई दिशा प्रदान करता है। रेलवे ऑफिसर्स क्लब, सोनपुर में बनने वाला यह सम्मेलन एवं बैठक कक्ष अधिकारियों के मध्य समन्वय, संवाद एवं संस्थागत गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं मुख्यालय के अन्य विभागाध्यक्ष तथा सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन एवं मंडल के सभी शाखा अधिकारीगण उपस्थित रहे।अधिकारियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे संगठनात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान निर्माण कार्य से संबंधित योजनाओं एवं प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी भी महाप्रबंधक महोदय को दी गई। पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आधुनिक कार्य एवं संवाद वातावरण विकसित करने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

सिमी एलपीजी कैरियर 20 हजार टन एलपीजी लेकर सुरक्षित पहुंचा कांडला पोर्ट

अहमदाबाद,(ईएमएस) : पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। सिमी एलपीजी कैरियर नामक एलपीजी टैंकर २० हजार टन गैस लेकर गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित पहुंच गया है। अधिकारियों के अनुसार जहाज ने १३ मई को रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार किया था।

सूत्रों के मुताबिक इस जहाज पर कुल २१ क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें आठ यूक्रेनी और १३ फिलिपीनी नागरिक शामिल हैं। मौजूदा उच्च सतर्कता वाले माहौल में होर्मुज स्ट्रेट पार करने वाला यह ११वां एलपीजी टैंकर बताया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए डायरेक्ट्रोरेट जनरल ऑफ शिपिंग, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच लगातार समन्वय बनाए रखा गया। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में जहाज की यात्रा पूरी कराई गई।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट में जारी आंकड़ों के अनुसार भारत का कुल कच्चा तेल भंडार फरवरी के अंत में १०७ मिलियन बैरल था, जो अब घटकर करीब ९१ मिलियन बैरल रह गया है। यानी भंडार में लगभग १५ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक भारतीय रिफाइनरियों ने उत्पादन और प्रोसेसिंग का काम स्थिर बनाए रखा है, लेकिन यदि पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधित होने की स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो रिफाइनरियों पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में कच्चे तेल की प्रोसेसिंग कम करने या उत्पादन घटाने जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं।

ऊर्जा क्षेत्र के जानकार मानते हैं कि भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए होर्मुज स्ट्रेट बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के बड़े हिस्से का तेल और गैस आयात इसी मार्ग से होकर आता है। ऐसे में 'सिमी' जहाज का सुरक्षित पहुंचना ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अतकी निवासी गणेश महतो की राजकोट में हुई मौत

डुमरी (ससे): प्रखंड अंतर्गत अतकी पंचायत निवासी गणेश महतो का निधन १६ मई को राजकोट में काम करने के दौरान हो गई।वह अतुल लिमिटेड कंपनी में काम करता था।निधन की खबर सुनकर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।मृतक अपने पीछे पत्नी दुलिया देवी

पुत्र राजेन्द्र कुमार महतो पुत्री अनिता कुमारी,यशोदा कुमारी,गुड़िया कुमारी पिता सहदेव महतो मां भीखनी देवी को छोड़ गया है।घटना की सूचना पाकर रविवार को भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक श्रीवास्तव अतकी मुखिया ईश्वर हेंब्रम पीड़ित परिवार से मिल शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए कंपनी से उचित मुआवजा दिलाने में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। मृतक कपड़ा फैक्ट्री में काम करता था।वह आठ माह पूर्व ही राजकोट गया था।

एसएनए छऊ केंद्र में मोहुरी संगीत कार्यशाला का सफल समापन

बोकारो (ससे): एस०एन०ए० छऊ केंद्र, चंदनकियारी में आयोजित तीन दिवसीय आवासीय मोहुरी संगीत कार्यशाला के तृतीय एवं अंतिम दिन रविवार को प्रशिक्षुओं का उत्साह चरम पर देखने को मिला। पूरे केंद्र परिसर में मोहुरी एवं शहनाई की मधुर ध्वनियों ने सांस्कृतिक वातावरण को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ संजय कुमार चौधरी ने इस प्रकार के आयोजन की महत्ता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक एवं पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन हेतु इस तरह की कार्यशालाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की पुनरावृत्ति होनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ हेमलता एस मोहन, जो सी०सी०आर०टी० की पूर्व अध्यक्षा भी रह चुकी हैं, ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कार्यशाला की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ न केवल कला के क्षेत्र में नई संभावनाओं को जन्म देती हैं, बल्कि प्रतिभागियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य भी करती हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय लोक एवं पारंपरिक कलाओं के माध्यम से देश-विदेश में विशेष पहचान और सम्मान प्राप्त किया जा सकता है।

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए

चेन्नई,(ईएमएस): दिग्गज एक्टर रजनीकांत ने रविवार को अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने राज्य के पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ अपनी हालिया मुलाकात को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विजय के सीएम बनने की खबर सुनकर वो हैरान थे।

उन्होंने कहा कि वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और कई सालों से इससे दूर हैं। रजनीकांत ने कहा कि उनके और विजय के बीच उम्र में २८ साल का अंतर है और विजय ने दो प्रमुख राजनीतिक दलों (डीएमके-एआईएडीएमके) के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र रूप से अपनी पहचान बनाई है। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके राजनीतिक रुख और स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में बार-बार की जा रही आलोचनाओं का अगर जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें सच मान लिया जाएगा। रजनीकांत ने चुनाव परिणामों के बाद स्टालिन के साथ अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से परे है।

उन्होंने कहा कि मुझे दुख हुआ कि एमके स्टालिन कुलथुर से हार गए। रजनीकांत कोई घटिया या निम्न स्तर के व्यक्ति नहीं हैं जो बेवजह किसी और बात पर टिप्पणी करें।

रजनीकांत ने विजय के सीएम बनने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर हो रही आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में यह भी कहा गया कि मैंने एयरपोर्ट पर विजय को बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी जीत के तुरंत बाद एक्स पर बधाई संदेश पोस्ट किया था।

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए? जिसके भाग्य में जो लिखा है, वो होकर रहेगा और जिसका नहीं लिखा है, वो नहीं होगा। बता दें रजनीकांत की यह टिप्पणियां चुनाव परिणामों के बाद तमिलनाडु में चल रही गहन राजनीतिक चर्चाओं और राज्य में फिल्म जगत की हस्तियों और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों के बीच आई है।

पीएसपीसीएल के सीएमडी बसंत गर्ग को ईडी का समन

चंडीगढ़,(ईएमएस): ईडी ने आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े कथित बैंक गारंटी रिफंड मामले में जांच का दायरा बढ़ा दिया है। एजेंसी ने अब पंजाब स्टेट पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेट (पीएसपीसीएल) के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) को नोटिस जारी कर संबंधित रिकॉर्ड और फाइलों सहित पेश होने के निर्देश दिए हैं। मामला करीब १.९६ करोड़ रुपये की बैंक गारंटी रिफंड से जुड़ा है, जिसे कथित तौर पर नियमों के विपरीत रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को वापस किया गया था। आरोप है कि यह कार्रवाई उस समय हुई जब संजीव अरोड़ा पंजाब सरकार में बिजली मंत्री थे। हालांकि मामले की जांच अभी जारी है और किसी भी आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पीएसपीसीएल के सीएमडी बसंत गर्ग ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि विभाग जांच एजेंसी को सभी आवश्यक दस्तावेज और रिकॉर्ड उपलब्ध कराएगा। ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि क्या विभागीय प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या प्रभाव का इस्तेमाल किया गया था। जानकारी के अनुसार लुधियाना स्थित हैम्पटन कोर्ट बिजनेस पार्क परियोजना के लिए कंपनी ने वर्ष २०२३ में बिजली लोड बढ़ाने हेतु ६६ केवी वोल्टेज पर संशोधित एनओसी मांगी थी। इसके तहत कंपनी को सप्लाई सिस्टम लागत के ३५ प्रतिशत के रूप में करीब १.९७ करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी पड़ी थी। बाद में वर्ष २०२५ में कंपनी ने सप्लाई वोल्टेज ६६ केवी से घटाकर ११ केवी करने के लिए आवेदन दिया। पीएसपीसीएल के नियमों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत १.८७ करोड़ रुपये की नई बैंक गारंटी जमा कराना अनिवार्य था।

साथ ही यह भी तय था कि नई गारंटी जमा होने के बाद ही पुरानी राशि लौटाई जाएगी। लेकिन जांच में सामने आया कि कंपनी द्वारा २ फरवरी को पुरानी बैंक गारंटी वापस लेने का अनुरोध किए जाने के अगले ही दिन राशि रिलीज कर दी गई, जबकि नई बैंक गारंटी उस समय तक जमा नहीं कराई गई थी। सूत्रों के अनुसार विभागीय इंजीनियरों द्वारा आपत्ति उठाए जाने के बाद अप्रैल में नई बैंक गारंटी जमा करवाई गई।

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

नई दिल्ली,(ईएमएस): देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है।

रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब ९२,००० करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और ४५० मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि १ मई २०२६ को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद १० मई २०२६ को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि १३ मई २०२६ को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया के तहत प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जबकि असल में यह प्रक्रिया संसद द्वारा आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की जरुरत पर कोई दो राय नहीं हो सकती। भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं है। फिर भी, मैं आपके विचारार्थ निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करना चाहता हूं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई २०१२ में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं करीब पांच सालों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

प्लास्टिक मुक्त यात्रा करें : धनबाद रेल मंडल

धनबाद (कासं) : विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तृतीय दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल अंतर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर एकलउपयोग प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा यात्रियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अपनी स्वयं की पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतलें साथ रखने तथा प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए प्रेरित करना था। अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर विभिन्न माध्यमों से यात्रियों को जागरूक किया गया। जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य बोतलों का प्रयोग करने तथा खाली प्लास्टिक बोतलों को रेलवे ट्रैक एवं परिसर में न फेंकने की अपील की गई। यात्रियों के बीच जागरूकता बढ़ाने हेतु स्टेशन के प्रमुख प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों एवं बुकिंग काउंटरों पर आकर्षक एवं रंगीन पोस्टर लगाए गए। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन एवं वाटर रिफिलिंग प्वॉइंट्स को सुचारू रूप से संचालित रखा गया। इसके अतिरिक्त स्टेशन कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा यात्रियों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें कपड़े के थैले, स्टील की बोतलों एवं अन्य पर्यावरणअनुकूल विकल्पों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों ने भी सकारात्मक सहभागिता दिखाते हुए पर्यावरण संरक्षण के इस प्रयास की सराहना की। धनबाद मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ रेलवे परिसर के निर्माण हेतु इस प्रकार के जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि रेलवे परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरणअनुकूल बनाया जा सके।

समाज को समर्पित शिक्षकों की जरूरत : डीएसई झा

गोविंदपुर (ससे) : जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने अल इकरा बीएड कॉलेज में आयोजित नवचेतना २०२६ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज को समर्पित शिक्षकों की जरूरत है। टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में प्रशिक्षकों को इसके लिए भी मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए कि उन्हें शहर या गांव जहां भी ड्यूटी मिले, पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ शिक्षण कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि झारखंड के टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में अल इकरा कॉलेज की अपनी विशिष्ट प्रतिष्ठा है। यहां के प्रशिक्षु हर विधा में पारंगत होते हैं। कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ मो शमीम अहमद ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं बल्कि समाज निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति है। एक शिक्षक केवल पाठ ही नहीं पढाता, बल्कि वह राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति और भविष्य का निर्माण करता है। इसलिए सभी प्रशिक्षु आने वाले भारत के निर्माता है।

कॉलेज के सचिव डॉ एस खालिद ने कहा कि केवल बीएड या डीएलएड की डिग्री से ही सरकारी शिक्षक नहीं हो सकते, इसके लिए उन्हें प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ानी होगी।

बंद सड़क को अभिलंब चालू करें बीसीसीएल : ग्रामीण एकता मंच

पुटकी (ससे) : धनबादबोकारो मुख्य मार्ग में केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के समीप भूधंसान के कारण बंद पड़े मुख्य सड़क मार्ग को अभिलंब चालू करने की मांग को लेकर १५ मई को ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने धनबाद डीसी को पत्र लिखा हैं। पत्र में बीसीसीएल एवं डीजीएमएस के कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़ा करते हुए उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है।

श्री सिंह ने इन दोनों के गड़बड़ी से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य दस्तावेज भी धनबाद डीसी को पत्र के साथ सौंपा हैं। श्री सिंह द्वारा इनके पूर्व में किए गए गड़बड़ी के साक्ष्य के रूप में बताया कि बीसीसीएल ने वर्ष २०२० में डीजीएमएस को भेजे गए पत्र में पीबी एरिया अंतर्गत करकेंद स्थित नेहरू पार्क क्षेत्र को अग्नि प्रभावित एवं मानव जीवन के लिए असुरक्षित बताया था। वहीं बीसीसीएल वर्ष २०२१ में उसी असुरक्षित क्षेत्र में २० विस्थापित परिवारों को उक्त स्थल पर घर बनाकर बसा दिया। फिर पुनः बीसीसीएल ने उक्त असुरक्षित स्थल के शेष पड़े स्थान पर २०२५ के पुटकी १७ नंबर के दर्जनों विस्थापितों को सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ घर बनाकर बसाने का काम किया है।

इधर ग्रामीण एकता मंच के द्वारा उच्च न्यायालय, झारखंड में जनहित दायर याचिका संख्या २९६२/२०१९ के जवाब में काउंटर एफिडेविट में धनबाद डीसी ने बीसीसीएल के इन्हीं नियमों की अनदेखी के अनेकों दस्तावेज समर्पित किया हैं। वहीं पत्र में मंच के अध्यक्ष श्री सिंह ने डीसी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए बीसीसीएल एवं डीजीएमएस की भूमिका की समीक्षा कर कार्रवाई करने एवं बंद पड़े मुख्य सड़क मार्ग को अभिलंब चालू कराया जाए ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

अमृतपाल के खिलाफ मनप्रीत सिंह ने कोर्ट में दी गवाही

अमृतसर (ईएमएस) : खालिस्तान समर्थक और हलका खडूर साहिब से सांसद बने अमृतपाल सिंह के खिलाफ मनप्रीत सिंह ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सामने गवाही दी। पीड़ित मनप्रीत ने कोर्ट को बताया कि फरवरी २०२३ को खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने अपने साथी अमनदीप सिंह अमना के साथ मिलकर दातर से उस पर हमला कर घायल कर दिया था। पता चला है कि मनप्रीत की गवाही कोर्ट में अभी पूरी नहीं हो सकी है। कोर्ट ने अगली तारीख २० मई तय की है।

नीट पेपर लीक के विरोध में आप का प्रदर्शन

जोड़ापोखर (ससे) : आम आदमी पार्टी धनबाद जिला के तत्वावधान में डिगवाडीह डिनोबली मोड़ के समीप नीट-यूजी परीक्षा २०२६ में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर केंद्र सरकार का पुतला दहन किया।

कार्यक्रम का आयोजन युवा नेता शदरे आलम ने किया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से इस्तीफे और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए, मेहनत का हक दो, भ्रष्टाचार बंद करो, पेपर लीक बंद करो, छात्रों का भविष्य सुरक्षित करो।

विधायक व मेयर ने की बाबा भोलेनाथ की पूजा

देवघर (ससे) : विधायक रागिनी सिंह एवं मेयर संजीव सिंह ने देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजाअर्चना की। इस दौरान विधायक रागिनी सिंह और मेयर संजीव सिंह ने एक साथ मंदिर में जलार्पण कर बाबा भोलेनाथ से झरिया, धनबाद समेत पूरे राज्य की सुखशांति और समृद्धि की कामना की। पूजाअर्चना के बाद दोनों बाबा बासुकीनाथ धाम भी पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान शिव का दर्शनपूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक यात्रा के दौरान मंदिर परिसर बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा।

विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकीनाथ की कृपा से क्षेत्र में शांति, खुशहाली और विकास बना रहे, यही प्रार्थना की गई है। वहीं मेयर संजीव सिंह ने कहा कि देवाधिदेव महादेव के दर्शन से मन को अद्भुत शांति और ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर दोनों ने प्रदेशवासियों के सुखद भविष्य और जनकल्याण की भी कामना की।

99 का नॉक आउट ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 22 से

धनबाद (कासं) : खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और बैडमिंटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ९९ जी स्पोर्ट्स द्वारा २२ से २४ मई तक धनबाद के मेमको मोड़ स्थित ९९ जी स्पोर्ट्स बैडमिंटन एक्सीलेंस एकेडमी परिसर में नॉक आउट ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन तीन श्रेणियों में किया जाएगा। जिसमें अंडर १९ में सिंगल्स और डबल्स में महिला और पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं, वहीं दूसरी श्रेणी में सिर्फ पुरुष खिलाड़ी सिंगल्स और डबल्स में हिस्सा ले सकते है। वहीं ४० की उम्र से अधिक पुरुष खिलाडी भी मास्टर्स/वेटेरन्स श्रेणी में डबल्स के रूप में हिस्सा ले सकते है।

उपरोक्त बातों की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएमडी श्याम पांडेय ने मेमको मोड़ स्थित कार्यालय परिसर में देते हुए बताया कि २१ मई शाम ५ बजे तक इच्छुक खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट में विजेता और उप विजेता खिलाड़ियों को नकद राशि के अलावा आकर्षक ट्रॉफी और अन्य पुरस्कार भी दिया जाएगा। वहीं उन्होंने आगे बताया कि ९९ जी स्पोर्ट्स बैडमिंटन एक्सीलेंस एकेडमी का उद्देश्य बैडमिंटन के क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित प्लेटफार्म देना है, इसलिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कराया गया। जिसमें खिलाड़ियों के लिए सभी प्रकार की सुख सुविधा का ध्यान रखा गया है। साथ ही एकेडमी में उच्च श्रेणी के कोच के द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में धनबाद बैडमिंट संघ के महासचिव सम्राट चौधरी, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, सचिव संदीप डे और आईआईटी-आईएसएम के बैडमिंटन ट्रेनर इज़हार आलम भी उपस्थित थे। संघ के पदाधिकारियों ने भी ९९ जी द्वारा निर्मित बैडमिंटन कोर्ट की प्रशंसा करते हुए कहा कि बैडमिंटन के खिलाड़ियों के लिए यह आयोजन काफी लाभप्रद सिद्ध होगा।

संस्था विकास फोरम का चुनाव

गोविन्दपुर (ससे) : गोविंदपुर सामाजिक संस्था विकास फोरम

का २०२६२०२९ सत्र के लिए सांगठनिक चुनाव पूर्वी गोविन्दपुर पंचायत भवन के सभागार में उमेश चन्द्र गोस्वामी, साधन कुमार चट्टोपाध्याय व लक्ष्मी नारायण गोस्वामी चुनाव पर्यवेक्षक की देखरेख व संरक्षण में सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी पद पर सर्वसम्मति से अध्यक्षबासुदेव गोस्वामी, कार्यकारी निर्णय लिया गया कि ३१ को नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों व पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं सदस्य विनोद आनन्द द्वारा लिखित पुस्तक विषकन्या का प्रेम का लोकार्पण तथा गोविन्दपुर प्रखंड के मैट्रिक व इण्टर की परीक्षा में स्कूल टॉपर के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

धनबाद (कासं) : तेतुल्मारी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना अप मेन लाइन २८०/२३ व २८०/२३ ए होम सिग्नल के पास की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रेलवे ट्रैक पर मृतक का सिर शव से अलग पड़ा मिला, जबकि कुछ दूरी पर धड़ बरामद किया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक ने टीशर्ट पहन रखी थी, जिस पर महतो लिखा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के थानों में गुमशुदगी की जानकारी खंगाल रही है ताकि मृतक की पहचान की जा सके।

पुलिस कर रही साइकिल पेट्रोलिंग

जयपुर (ईएमएस) : पुलिस ने कानूनब्यवस्था को मजबूत करने और आम जनता से बेहतर संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से कई शहरों में साइकिल पेट्रोलिंग शुरू की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह पहल विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले बाजारों, संकरी गलियों और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी के लिए शुरू की गई है, जहां पुलिस वाहनों की आवाजाही कठिन होती है। साइकिल पेट्रोलिंग के माध्यम से पुलिसकर्मी तेजी से क्षेत्र में पहुंच सकेंगे और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रख पाएंगे। पुलिस विभाग का कहना है कि इस व्यवस्था से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा और ईंधन की बचत होगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। उनका मानना है कि साइकिल पर गश्त करने वाले पुलिसकर्मी आम नागरिकों से अधिक आसानी से संवाद कर पा रहे हैं।

क्वार्टर खाली करने का एफसीआईएल का विरोध

सिंदरी (ससे) : एफसीआईएल द्वारा क्वार्टर खाली करने के नोटिस के विरोध में मनोहरटांड़ क्षेत्र के लोग अब एकजुट होने लगे हैं। झारखंड बचाओ संग्राम समिति के केंद्रीय अध्यक्ष कौशल सिंह एवं सिंदरी कांग्रेस नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव क्षेत्र पहुंचे और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने स्पष्ट कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था एवं पुनर्वास के वे क्वार्टर खाली नहीं करेंगे। महिलाओं ने नेताओं को बताया कि पूर्व में क्षेत्र में लीज एवं सर्वे का कार्य कराया गया था, लेकिन अब तक किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। इसके बावजूद अचानक ३० मई तक क्वार्टर खाली करने का नोटिस जारी कर दिया गया है, जिससे लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है।

झारखंड बचाओ संग्राम समिति के केंद्रीय अध्यक्ष कौशल सिंह ने कहा कि वर्षों से रह रहे लोगों को बिना पुनर्वास के हटाना मानवीय दृष्टिकोण से उचित नहीं है। उन्होंने एफसीआईएल प्रबंधन से पहले पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

वहीं सिंदरी कांग्रेस नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव ने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक लोगों के रहने की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती, तब तक क्वार्टर खाली कराने की कार्रवाई स्थगित की जानी चाहिए। क्षेत्र के लोगों ने भी एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

पलानी व दुधिया में विकास योजनाओं का शिलान्यास

बलियापुर (ससे) : पलानी पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ५ किलोमीटर रोड निर्माण एवं दुधिया में दुर्गा गड़िया तालाब जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने किया।

उक्त दोनों विकास योजनाएं डीएमएफटी फंड से किया जाना है। इधर दोनों ही योजनाओं के शिलान्यास बोर्ड पर योजना के प्राक्कलित राशि उल्लिखित नहीं रहने से ग्रामीण तरहतरह की चर्चाएं कर रहे हैं। पलानी पंचायत के लालबांध से फकीराडीह-मलिकडीह होते हुए पलानी स्कूल मोड़ तक सड़क का निर्माण किया जाना है। राशि का उल्लेख नहीं रहने के संबंध में पूछे जाने पर लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि तालाब निर्माण का कार्य आठ लाख ७० हजार की लागत से किया जाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड पर राशि का उल्लेख जरूरी है। फिलहाल विकास योजनाओं के बोर्ड पर राशि उल्लेख नहीं रहने से ग्रामीणों में भारी रोष देखा जा रहा है। मौके पर जिला परिषद सदस्य उषा महतो, संबंधित पंचायत के मुखिया एवं अन्य लोग मौजूद थे।

विवाहित ने की आत्महत्या

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के आई एन चन्द्रो में २० वर्षीया विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों के अनुसार आई एन चंदो गोपालीचक निवासी आकाश कुमार पाण्डेय उर्फ गोरका की २० वर्षीया पत्नी लक्ष्मीणा कुमारी ने सुबह करीब १०:३० बजे अपने ही घर के अंदर साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

मृतका की पति ने बताया कि घटना के समय घर में कोई पुरूष सदस्य नहीं था। सिर्फ भाई की पत्नी थी। जो दूसरे कमरे में थी। बहुत देर तक मेरी पत्नी का कमरे का दरवाजा बंद देखकर भाई की पत्नी ने आवाज दिया, तो अंदर से कोई जबाब नहीं मिला। किसी अनहोनी की आशंका देखते हुए मुझे और अन्य परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद आनन-फानन में परिजनों ने मृतका को फंदे से उतारकर धनबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुटकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर धनबाद पोस्टमार्टम में भेज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

बीसीसीएल के डीटी पहुंचे पूर्वी झरिया उत्पादन में गिरावट पर भड़के

झरिया (ससे) : बीसीसीएल के तकनीकी निदेशक संजय सिंह पूर्वी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यलय पहुंचे। उन्होंने यहां क्षेत्र के महाप्रबंधक के अलावा क्षेत्रीय कार्यालय के सभी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा एवं उत्पादन का जानकारी लिया। डायरेक्टर संजय सिंह ने क्षेत्र के उत्पादन में आई कमी पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए सख्त हिदायत दी। कहा कि टारगेट को हर हाल में सुरक्षा के साथ पूरा किया जाए। बाद में डीटी ने सी टू पैच आउटसोर्सिंग का निरीक्षण किया।

परियोजना में जमा पानी को देखते ही डीटी भड़क गए। उक्त जमे पानी को २० दिनों के अंदर माइंस से बाहर निकालने का आदेश दिया, ताकि उसके नीचे दबे कोयले का उत्पादन किया जा सके। इसके बाद माइंस के कटिंग जोन में आ रहे कम्पनी के सब स्टेशन और हाजिरी घर को भी तत्काल सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान आउटसोर्सिंग कंपनी के सीईओ लाल बाबू सिंह ने कहा कि समय से पानी नहीं निकालने के कारण उत्पादन में कमी आ रही है। अधिकारियों की इच्छा शक्ति की कमी के कारण ही पानी नहीं निकाला जा रहा है। यहां से सात वर्षों में एक सौ पच्चीस लाख टन कोल उत्पादन करनी है। प्रति वर्ष करीब २० लाख टन उत्पादन का लक्ष्य है। भौंरा जहाजटांड़ जाने वाली सड़क मार्ग की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। साथ ही कुछ मार्ग कटिंग जोन में है। इस लिए सड़क मार्ग को भौरा ६ नंबर मल्लाह पट्टी से लेकर भौरा पांच नंबर के नजदीक तक बदला जायेगा। इस पर काम किया जा रहा है। इस मार्ग पर लाइट आदि की व्यवस्था होगी जिससे बस्ती के लोगों को आने जाने में कोई असुविधा ना हो इसका पूरा ख्याल रखा गया है। मौके पर महाप्रबंधक टी पासवान, एरिया सिविल अभियंता षिकेश कदम, एस पटनायक आदि मौजूद थे।

अमित शाह ने 128 करोड़ की मधुर डेयरी मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का किया लोकार्पण

गांधीनगर (ईएमएस): केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से रविवार को गांधीनगर के दशेला में मधुर डेयरी के नवनिर्मित मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी, सहकारिता मंत्री जीतू वाघाणी तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पशुपालक बहनों ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दशेला में १५ एकड़ भूमि में १२८ करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित यह पूर्णतः ऑटोमैटिक मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट पशुपालकों की आर्थिक उन्नति का आधार बनेगा। यह प्लांट दैनिक ढाई लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग करेगा, जिसे भविष्य में पांच लाख लीटर तक बढ़ाने की योजना है। इस प्लांट के संचालन खर्च के बाद होने वाला लगभग ७५ प्रतिशत मुनाफा सीधे ही पशुपालकों के

बैंक खातों में जमा होगा।

डेयरी सेक्टर को महिला सशक्तिकरण का विशेष माध्यम बताते हुए शाह ने जोड़ा कि आज गुजरात में ३६ लाख पशुपालक बहनों के माध्यम से दैनिक तीन करोड़ लीटर दूध एकत्र किया जाता है, जिसके फलस्वरूप प्रतिदिन लगभग २०० करोड़ रुपए की राशि सीधे बहनों के बैंक खातों में जमा होती है। उन्होंने निजी अनुभव का वर्णन करते हुए कहा कि पहले जो बहनें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं थीं, वे आज डेयरी सेक्टर के कारण 'घर की सेठ' बनी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि डेयरी सेक्टर में 'सर्कुलर इकोनॉमी' को प्रोत्साहन देकर पशुपालकों की आय में कम से कम २० प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अमूल के उत्पादों के प्रति लोगों में बढ़ रहे विश्वास का उदाहरण देते हुए कहा कि अमूल की शुगर फ्री चॉकलेट 'शुगर फ्री चॉकलेट' कैटेगरी में देश में पहले स्थान पर है, जिसका सीधा फायदा किसानों तक पहुंच रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि श्वेत क्रांति २.० अंतर्गत आगामी १० वर्ष में देश का कुल दूध उत्पादन तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अमूल ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से पशुपालकों का मुनाफा बढ़ाने का कार्य किया है। शाह ने हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल सहायक 'सरलाबेन' का उल्लेख किया, जो आज ग्रामीण क्षेत्र की बहनों को पशुपालन एवं खेती में सहायक हो रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने मधुर डेयरी की प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि मधुर डेयरी सरदार वल्लभभाई पटेल, त्रिभुवनभाई पटेल तथा डॉ. वर्गीस कुरियन की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। मधुर डेयरी द्वारा वर्ष १९७१ में केवल ४ मंडलियों तथा ६००० लीटर दूध एकत्रीकरण से शुरू की गई यात्रा आज २६८ करोड़ रुपए के वार्षिक टर्नओवर तक पहुंची है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मधुर डेयरी के मिल्क प्रोसेसिंग तथा पैकेजिंग प्लांट के लोकार्पण अवसर पर कहा कि गुजरात की धरती सदियों से सहकारिता की भावना से समृद्ध धरती है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलते जा रहे परिप्रेक्ष्यों के साथ सहकारिता क्षेत्र भी कदम से कदम मिलाकर चल सके; ऐसे विजन के साथ 'सहकार से समृद्धि' का मार्ग अपनाया है।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने विकास की राजनीति का नया इतिहास रचा है, उसमें भी सबके सहयोग से देश की समृद्धि का ही भाव हृदय में रखा है, जिसके फलस्वरूप उन्होंने जनता-जनार्दन का अपार विश्वास तथा भरोसा प्राप्त किया है।

गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न राज्यों के 20 शहरों में हीट एक्शन प्लान

नईदिल्ली (ईएमएस): देश में बढ़ती गर्मी और हीटवेव से बचाव के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों के २० शहरों में हीट एक्शन प्लान लागू करने की योजना बनाई थी। अब तक यह योजना केवल अहमदाबाद में ही प्रभावी रूप से लागू हो सकी है। बाकी के १९ शहरों में योजना कागज़ों तक सीमित होकर रह गई। कई राज्यों के लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सैकड़ो मोतें गर्मी के कारण हो चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर तैयारी न होने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं, पानी और राहत व्यवस्था का समय रहते इंतजाम नहीं किया गया। जिसके कारण लू लगने से हजारों लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। वहीं सैकड़ो लोगों की मौत हो चुकी है।

इस परियोजना के लिए सरकार ने बजट से करोड़ों रुपये खर्च किए। लेकिन अधिकांश शहरों में न तो पर्याप्त जागरूकता अभियान चले, नाही जरूरी सुविधाएँ विकसित की गईं। विपक्ष ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए सरकार से जांच की मांग की है। वहीं प्रशासन का कहना है,कुछ शहरों में काम जारी है। जल्द ही एक्शन प्लान की योजनाओं को पूरी तरह लागू किया जाएगा। १ जून से मानसून आ जाता है। जब जरूरत है, तब काम नहीं हुआ।

बेटे के टॉपर बनने पर सांवलिया सेठ को चढ़ाई चांदी की किताब

जयपुर(ईएमएस)। उदयपुर के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का एक बेहद अनोखा उदाहरण सामने आया है। अपने बेटे के शानदार परीक्षा परिणाम से खुश होकर एक परिवार ने अपनी मन्नत पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ के दरबार में चांदी की एक विशेष किताब अर्पित की है। परिवार द्वारा दी गई यह अनोखी भेंट अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। उदयपुर के प्रताप नगर निवासी बर्तन व्यवसायी सुनील काबरा अपने बेटे चिन्मय काबरा और पूरे परिवार के साथ सांवलियाजी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने राजभोग आरती के दौरान भगवान को करीब ५० ग्राम चांदी से निर्मित यह अनूठी किताब भेंट की।

व्यवसायी सुनील काबरा ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे के बेहतर भविष्य और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए भगवान सांवलिया सेठ से विशेष मन्नत मांगी थी। हाल ही में घोषित हुए सीबीएसई १२वीं कॉमर्स के रिजल्ट में उनके बेटे चिन्मय काबरा ने ९७ प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि वह अपने स्कूल के टॉपर बनने के साथ-साथ पूरे जिले के टॉपर भी

बने हैं। बेटे की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे परिवार में उत्सव और खुशी का माहौल है।

इस मन्नत को पूरा करने के लिए चांदी की यह खास किताब अहमदाबाद के कारीगरों से विशेष ऑर्डर देकर तैयार करवाई गई थी। इस अनूठी किताब में कुल पांच पन्ने बनाए गए हैं। इसके पहले पन्ने पर एक तरफ श्री सांवलिया सेठ की जय और दूसरी तरफ १२वीं पास खूबसूरती से अंकित किया गया है।

किताब के दूसरे पन्ने पर भगवान सांवलिया सेठ की मनमोहक तस्वीर उकेरी गई है, जबकि बाकी के पन्नों पर भगवान के जयकारे और विभिन्न धार्मिक चित्र बनाए गए हैं। मंदिर परिसर में चांदी की इस कलात्मक किताब को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

चिन्मय ने अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और भगवान सांवलिया सेठ के परम आशीर्वाद को दिया है।

चिन्मय ने अपने भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए बताया कि वह आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अभी से अपनी कठिन तैयारी भी शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, चिन्मय शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और वह अपनी १०वीं की बोर्ड परीक्षा में भी टॉपर रह चुके हैं। मंदिर में दर्शन और इस विशेष भेंट के दौरान चिन्मय के साथ उनके पिता सुनील काबरा, मां डिंपल काबरा और बहन चार्वी काबरा भी मौजूद रहीं, जिन्होंने भगवान का आभार व्यक्त किया।

ड्राइवर की सूझबूझ से बची लोगों की जान

बेंगलुरु,(ईएमएस): कर्नाटक के हासन जिले में बेंगलुरु से मंगलुरु जा रही एक स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। नेशनल हाइवे-७५ पर दौड़ रही बस कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गई। राहत की बात यह रही कि ड्राइवर की सूझबूझ और यात्रियों ने चालाकी से बस में सवार सभी ३६ लोगों की जान बच गई। हालांकि, यात्रियों का सामान, बैग और कई जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए। इस घटना ने देशभर में चल रही निजी बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बस मंगलुरु जा रही थी, तभी अचानक टायर फट गया। इसके बाद बस के अंदर धुआं भरने लगा। यात्रियों को लगा कि शायद सामान्य तकनीकी दिक्कत होगी, लेकिन कुछ ही सेकंड में आग तेजी से फैल गई। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कई यात्री नींद में थे, इसलिए स्थिति और खतरनाक हो सकती थी, लेकिन चालक और स्टाफ ने तेजी दिखाई। लोग अपने हैंडबैग लेकर किसी तरह बाहर निकले। देखते ही देखते पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। फायर एंड इमरजेंसी सर्विस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बस खाक हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक हादसे की शुरुआती वजह टायर फटना माना जा रहा है। टायर फटने के बाद घर्षण और गर्मी बढ़ी, जिससे बस के निचले हिस्से में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। चूंकि बस स्लीपर कोच थी, इसलिए अंदर फोम, पर्दे और लकड़ी जैसे ज्वलनशील सामान मौजूद थे। इसी कारण आग तेजी से फैली। यात्रियों ने बताया कि अगर ड्राइवर कुछ मिनट भी देर करता तो बड़ा हादसा हो सकता था। कई लोगों ने बस से निकलते वक्त चीख-पुकार और भगदड़ का मंजर देखा। अधिकारियों का कहना है कि बस की फिटनेस, वायरिंग और टायरों की स्थिति की जांच की जाएगी। शुरुआती जांच में ओवरहीटिंग और तकनीकी खराबी की आशंका भी जताई जा रही है।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले का खुलासा करने वाले शशिकांत सुथार चर्चा में

नई दिल्ली,(ईएमएस): नीट-यूजी २०२६ पेपर लीक मामले में लगातार नए खुलासों के बीच राजस्थान के सीकर निवासी शशिकांत सुथार का नाम देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। कथित पेपर लीक और धांधली के मामले को उजागर करने वाले प्रमुख व्हिसलब्लोअर के रूप में सामने आए शशिकांत ने दावा किया है कि उन्होंने परीक्षा वाले दिन ही संदिग्ध गतिविधियों को भांप लिया था और तुरंत कार्रवाई का फैसला किया।

मीडिया से बातचीत में शशिकांत सुथार ने बताया कि ३ मई २०२६ को आयोजित नीट यूजी परीक्षा के दौरान उन्हें परीक्षा केंद्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ संदिग्ध जानकारियां मिली थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए वे उसी रात स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचे, लेकिन देर रात होने के कारण पुलिस अधिकारियों ने उन्हें जरूरी दस्तावेज और सबूतों के साथ अगले दिन आने की सलाह दी।

शशिकांत के अनुसार उन्होंने पूरी रात जागकर कथित पेपर लीक से जुड़े डिजिटल साक्ष्य,

व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और अन्य दस्तावेज इकट्ठा किए। इसके बाद उन्होंने ये जानकारी सीधे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों तक पहुंचाई। उनका दावा है कि प्रस्तुत किए गए सबूत इतने मजबूत थे कि एजेंसियों को तुरंत जांच शुरू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि सबूत सौंपने के करीब दो घंटे के भीतर ही उन्हें जांच अधिकारियों के फोन आने लगे और केंद्रीय एजेंसियां सक्रिय हो गईं। इसके बाद देश के कई हिस्सों में जांच और छापेमारी की कार्रवाई तेज कर दी गई।

इस मामले के बाद राजस्थान के सीकर स्थित कोचिंग संस्थानों पर भी सवाल उठने लगे हैं, हालांकि शशिकांत सुथार ने वहां के छात्रों का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सीकर की सफलता किसी स्कैम का परिणाम नहीं, बल्कि छात्रों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने छात्रों को मेगावॉट स्टूडेंट्स बताते हुए कहा कि कुछ लोगों की गलती के कारण पूरे छात्र समुदाय को संदेह की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए।

शशिकांत का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी संस्था या छात्र को बदनाम करना नहीं, बल्कि उन ईमानदार विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा करना है, जो वर्षों तक मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है तो सच सामने आना जरूरी है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटक की खाई में गिरी कार, दंपति की मौत

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में गुजरात से कश्मीर घूमने आए एक पर्यटक दंपति की मौत हो गई। पर्यटकों की कार अनियंत्रित होकर एक गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक गुजरात के रहने वाले अशोक भाई और उनकी पत्नी नैना बेन कश्मीर की वादियों का लुत्फ उठाने आए थे। शनिवार को वे टैक्सी से पहलगाम से खूबसूरत अरु वैली जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक मंडलन के पास अचानक कार ड्राइवर का नियंत्रण हट गया और कार सड़क से फिसलकर सीधे गहरी खाई में जा गिरी जिससे अशोक भाई और उनकी पत्नी नैना ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

नीट मामलाः बीजेपी बोली- राहुल गांधी के आरोप राजनीति प्रेरित भ्रम फैलाने जैसे

नई दिल्ली,(ईएमएस): नीट-यूजी २०२६ पेपर लीक मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संजय मयूख ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को भ्रम फैलाने वाला और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जबकि मामला लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।

डॉ. मयूख ने कहा कि सरकार ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए सीबीआई जांच, प्रभावित छात्रों के लिए पुनः परीक्षा और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, यह दर्शाता है कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी, लगातार सरकार की छवि खराब करने के लिए बिना तथ्यों के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए होते तो विपक्ष इसे निष्क्रियता करार देता, और अब जब कार्रवाई की गई है तो उसे भी निशाना बनाया जा रहा है।

डॉ. मयूख ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी को पहले अपने कार्यकाल में हुए कथित पेपर लीक और परीक्षा घोटालों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने एआईपीएमटी पेपर लीक, एसएससी घोटाले और सीबीएसई पेपर लीक जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्ष का इतिहास युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ का रहा है। सरकार की ओर से यह भी दावा किया गया कि मामले में कई गिरफ्तारियां की गई हैं। इसमें कथित मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा मंधारे के नाम सामने आए हैं, जबकि जयपुर, गुरुग्राम और नासिक सहित कई स्थानों पर छापेमारी कर संदिग्धों को पकड़ा गया है।

विश्वास मत जीतने के बाद अब राज्यसभा में एंट्री की तैयारी

चैन्नई(ईएमएस): तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय इस वक्त पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में सबसे चर्चित चेहरा बन गए हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को मिली शानदार सफलता के बाद वह राज्य में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से थोड़ा दूर रहने के बावजूद विजय ने विधानसभा में भारी मतों से विश्वास मत हासिल कर अपनी राजनीतिक कुशलता का लोहा मनवा दिया है।

अब उनके लिए एक और बड़ी खुशखबरी आने वाली है, जिसकी धमक सीधे दिल्ली दरबार तक सुनाई देगी। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीवीके अब देश की संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी तैयारी में है।

बीते तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने राज्य की दशकों पुरानी स्थापित राजनीति को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया। पार्टी ने २३४ सदस्यीय विधानसभा में अकेले १०८ सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की। थलापति विजय की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने

राज्य में पिछले करीब छह दशकों से चली आ रही पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को चुनौती देकर तोड़ दिया है। उनकी इस शानदार जीत का सीधा असर अगले महीने होने वाले राज्यसभा के समीकरणों पर साफ दिखाई पड़ने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में अपने सदस्य को भेजने की टीवीके की मुराद बहुत जल्द पूरी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एआईएडीएमके के एक प्रमुख नेता से जुड़ी है। एआईएडीएमके के सी. वीई. शानमुगम ने हाल ही में मैलाम विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। विधायक चुने जाने से पहले शानमुगम राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन चार मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने नियमतः राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते तमिलनाडु से संसद के ऊपरी सदन की एक सीट खाली हो गई है। खास बात यह है कि शानमुगम एआईएडीएमके के उस बागी गुट का हिस्सा हैं जिसने विश्वास मत के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर थलापति विजय की सरकार को खुला समर्थन दिया था। ऐसे में इस खाली सीट के लिए अगले महीने उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

अगर विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो देश के आठ राज्यों में जून के मध्य में करीब २३ राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। इनमें से एक सीट तमिलनाडु की है। विधानसभा में बदले समीकरणों और संख्या बल के लिहाज से इस सीट पर टीवीके का दावा सबसे मजबूत है क्योंकि राज्य में इस वक्त उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं। हालांकि राज्य में नियमित तौर पर जून २०२८ में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जिसमें संख्या बल के आधार पर टीवीके अपने दम पर आसानी से तीन सीटें जीत लेगी।

लेकिन इस मौजूदा उपचुनाव में जीत दर्ज कर थलापति विजय की पार्टी संसद में अपना खाता खोल सकती है, जो दिल्ली की राजनीति में उनकी पार्टी की सीधी और धमाकेदार एंट्री होगी।

तरबूज-आम और नारियल खाया परिवार की बिगड़ी तबीयत, एक की मौत

केंद्रपाड़ा,(ईएमएस): ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के कुकुनी गांव में एक ही परिवार के चार लोग तरबूज, पके आम और नारियल खाने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक पंचानन सेनापति के परिवार के पांच सदस्यों को शुक्रवार सुबह गंभीर उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायत के बाद केंद्रपाड़ा जिला मुख्यालय में भर्ती कराया गया था। इनमें से १३ साल के स्वाधीन सेनापति और परिवार के एक अन्य सदस्य को बाद में बेहतर इलाज के लिए कटक रेफर किया गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि इलाज के दौरान स्वाधीन की मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंचानन सेनापति ने बताया कि परिवार ने पिछले दो दिनों में तरबूज, पके आम और कच्चा नारियल खाया था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि फल खाने के बाद तेज बुखार, सिरदर्द और अत्यधिक कमजोरी महसूस हुई। पहले पास की फार्मेसी से दवाइयां लीं, लेकिन हालत नहीं सुधरी अस्पताल गए। परिवार की सदस्य चारुलता सेनापति ने बताया कि गुरुवार रात को तरबूज खाने के बाद लक्षण शुरू हुए। उन्होंने कहा कि बच्चे ट्यूशन से लौटे और उन्हें उल्टी होने लगी। उन्हें चक्कर आना, पेट में ऐंठन और दस्त की शिकायत हुई।

बच्चों और वयस्कों समेत परिवार के पांच सदस्य बीमार पड़ गए। परिवार के तीन सदस्यों का केंद्रपाड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि दो को कटक रेफर किया है। मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि प्रभावित व्यक्तियों में फूड पॉइजनिंग से जुड़े सामान्य लक्षण जैसे उल्टी, दस्त और पेट दर्द हो रहे हैं। हालांकि, केंद्रपाड़ा अस्पताल में भर्ती तीनों मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है। जिला मुख्यालय अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि यह बीमारी फलों के कारण नहीं, बल्कि दूषित या बासी भोजन के कारण हो सकती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उच्च स्तरीय बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर में आयोजित होने वाली मध्य क्षेत्रीय परिषद की २६वीं बैठक की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। यह महत्वपूर्ण बैठक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित होगी, जिसमें मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण (पीपीटी) के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा परिषद की बैठक में उठाए जाने वाले विभिन्न विषयों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं गंभीरता एवं समन्वय के साथ सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मध्य क्षेत्रीय परिषद के राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह परिषद देश की

ऐसी क्षेत्रीय परिषद है जहां सदस्य राज्यों के बीच किसी प्रकार का विवाद नहीं है, जो आपसी सहयोग और समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय परिषदें राज्यों तथा केंद्र और राज्यों के बीच विभिन्न विषयों पर संवाद, सहयोग और समन्वय को मजबूत करने का प्रभावी मंच बन चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत राज्य ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं और इसी भावना के साथ क्षेत्रीय परिषदें विकास, प्रशासनिक समन्वय और राष्ट्रीय एकता को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इन परिषदों ने राज्यों के बीच स्वस्थ सहयोग और विकासोन्मुखी सोच को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना के बाद इस स्तर की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन यह दर्शाता है कि राज्य सरकार क्षेत्र के विकास और नई संभावनाओं को लेकर पूरी तरह संकल्पित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सल उन्मूलन से क्षेत्र में शांति स्थापित हुई है तथा अब बस्तर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इंद्रावती की गोद से बस्तर विकास की नई गाथा लिखेगा और मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह बैठक क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार भाजपा की मूल प्रेरणा : संजय सरावगी

जमुई, (ईएमएस): पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-२०२६ के तहत रविवार को जमुई के महावीर वाटिका, बोधवन तालाब (बिठलपुर रोड) में भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मुख्य रूप से शामिल हुए और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना, संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करना तथा समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध को और अधिक प्रभावी बनाना था।

प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा केवल चुनावी राजनीति करने वाला संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित और समाज सेवा की भावना से प्रेरित एक वैचारिक आंदोलन है।

पार्टी के कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं, जो गांव-गांव तक पार्टी की विचारधारा और सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य करते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान देश के समक्ष चुनौतियां: राजनीतिक एवं सामाजिक विषय पर सारगर्भित विचार-विमर्श में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि आज देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ अनेक राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियां भी सामने हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें समाज में भ्रम और विभाजन की राजनीति फैलाने का प्रयास करती हैं, जबकि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ समाज को जोड़ने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे समाज के बीच जाकर सकारात्मक संवाद स्थापित करें तथा राष्ट्रविरोधी सोच और भ्रम फैलाने वाली राजनीति का लोकतांत्रिक एवं वैचारिक रूप से जवाब दें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जितना अधिक जागरूक और प्रशिक्षित होगा, संगठन उतना ही मजबूत होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा की पूरी कार्यशैली इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और बिहार में एनडीए सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक स्पष्टता प्रदान करता है और उन्हें यह समझने में मदद करता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण सहभागी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को नई ऊर्जा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण की परंपरा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। आज का समय निरंतर सीखने और समाज के बीच सक्रिय रहने का है। भाजपा का कार्यकर्ता जितना अधिक अध्ययनशील और अनुशासित होगा, वह उतनी ही मजबूती से जनता के बीच अपनी बात रख सकेगा।

जमुई प्रवास के दौरान भाजपा अध्यक्ष सरावगी महादेव सिमरिया स्थित प्राचीन एवं सुप्रसिद्ध बाबा धनेश्वरनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली, सामाजिक समरसता एवं सर्वांगीण विकास की मंगलकामना भी की। उन्होंने कहा, भगवान धनेश्वर से यही प्रार्थना है कि बिहार सहित समस्त देशवासियों का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो तथा राज्य और राष्ट्र निरंतर प्रगति एवं विकास के पथ पर अग्रसर रहे। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी रविवार को जमुई के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पटना से ट्रेन द्वारा जमुई पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने तथा देशहित में ईंधन बचत के संकल्प के साथ प्रदेश अध्यक्ष पटना से जमुई तक वंदे भारत ट्रेन से यात्रा की। वे शाम को पटना वापस भी रेल मार्ग से ही हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह प्रेरक पहल न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और राष्ट्रहित के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को भी सुदृढ़ करती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ अधिकाधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। बिहार भाजपा अध्यक्ष सरावगी के जमुई रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर बिहार सरकार की मंत्री श्रेयसी सिंह सहित पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत और हार्दिक अभिनंदन किया गया। इस क्रम में उन्होंने भाजपा जमुई के निर्माणाधीन जिला कार्यालय का औचक निरीक्षण भी किया।

राजगीर मलमास मेला का शुभारंभ

राजगीर (एजेंसी): नालंदा जिले के ऐतिहासिक राजगीर मलमास मेला आज से शुरू हो गया है. सीएम सम्राट चौधरी ने पूरे विधि-विधान से मेले का शुभारंभ किया. उद्घाटन समारोह से पहले ब्रह्मकुंड परिसर स्थित यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र ध्वजारोहण और विशेष पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल हुए. उद्घाटन के इस पावन क्षण में जब मंगल आरती शुरू हुई, तो पूरा कुंड क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष और पवित्र वैदिक मंत्रों की ध्वनियों से गुंजायमान हो उठा. यह मेला इतना खास है कि इसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं. इतना ही नहीं यह मेला देश की सियासत तक को प्रभावित करने की क्षमता रखता है.

साल २०२३ में राजगीर मलमास मेला में शामिल होने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इंडिया ब्लॉक की बेंगलुरु बैठक की प्रेस-कॉन्फ्रेंस को बीच में ही छोड़कर चले आए थे और यहीं से उनके एनडीए में वापसी का रास्ता साफ हो गया था. दरअसल, २०२४ के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने के लिए इंडिया ब्लॉक ने १७ और १८ जुलाई २०२३ को बेंगलुरु में एक बैठक आयोजित की थी. इसमें बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू यादव भी शामिल हुए थे. इस बैठक में ही विपक्षी मोर्चे का आधिकारिक नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' रखा गया था.

सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने ही विपक्षी गठबंधन का नाम आईएनडीआईए रखने का सुझाव दिया था, जिसका राहुल गांधी ने समर्थन किया था. वहीं नीतीश कुमार ने आईएनडीआईए नाम पर कड़ा ऐतराज जताया था. उन्होंने कांग्रेस और टीएमसी के नेताओं से पूछा था कि इस नाम का क्या मतलब है? नीतीश कुमार के सवालों को कांग्रेस ने पूरी तरह से इग्नोर कर दिया था. इतना ही नहीं इसी बैठक में राजद अध्यक्ष लालू यादव ने राहुल गांधी से दूल्हा बनने की बात कही थी. उनका यह बयान नीतीश कुमार को और ज्यादा हर्ट कर गया, क्योंकि विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की नींव नीतीश कुमार ने ही रखी थी.

इस बैठक के बाद विपक्षी नेताओं ने एक प्रेस-कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था, जिसमें नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे. वह प्रेस-कॉन्फ्रेंस से पहले ही बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंचे और वापस पटना लौट आए थे. नीतीश कुमार को मनाने के चक्कर में लालू यादव भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हो सके थे और उन्हें भी पटना आना पड़ा था. बंगलुरु से वापस आने के बाद नीतीश कुमार सीधे राजगीर मलमास मेला का उद्घाटन करने पहुंचे थे. इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे राजगीर के मलमास मेले में शिरकत करना था, इसलिए मुझे बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़ कर आना पड़ा।

टीआरई-4 की तैयारी में जुट रहे : शिक्षा मंत्री

पटना (एजेंसी): बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा शिक्षक भर्ती के चौथे चरण के विज्ञापन को लेकर जारी सियासत के बीच शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बड़ा बयान दिया है. शिक्षा मंत्री ने कहा कि अभ्यर्थी अपनी तैयारी में जुट रहें, बहुत जल्द अच्छे परिणाम आएंगे. शिक्षा मंत्री ने कहा कि बहुत विज्ञापन जारी होगा. उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया है और शिक्षा विभाग इसकी तैयारी में जुट है. उन्होंने कहा कि हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि जल्द जल्द से इसकी अधिसूचना जारी हो जाए.

शिक्षा मंत्री ने कहा कि लाइब्रेरियन और कंप्यूटर शिक्षकों की बहाली को लेकर भी सरकार गंभीर है. विभाग को डिजिटल लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि छात्रों को आधुनिक शिक्षा का लाभ मिल सके. बता दें कि टीआरइ-४ के विज्ञापन को लेकर हाल ही में राजधानी पटना में बड़ा बवाल देखने को मिला था. प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, जिसमें कई अभ्यर्थी घायल हुए थे.

इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अपने-अपने बच्चे को मंत्री बना लो, युवाओं पर लाठी चला दो! बिहार में यही हो रहा है. एनडीए के नेताओं ने बिना चुनावी प्रक्रिया में भागीदार के अपने बच्चों को मंत्री बना दिया, लेकिन बिहार के लाखों युवा, जिन्होंने सालों मेहनत कर पढ़ाई की है.

उनसे चुनाव से पूर्व एनडीए के नेताओं द्वारा वादा किया गया था कि टीआरई-४ की वैकेंसी जारी की जाएगी, लेकिन सरकार गठन के ६ महीने बाद भी टीआरई-४ का विज्ञापन नहीं निकला है. उल्टे वैकेंसी की मांग करने पर लाठियां बरसाई जा रही हैं.

गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए : परवेज सिद्दीकी

पटना (एजेंसी): गाय की कुर्बानी पर पूरी तरह से रोक लगाने और 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने की. उन्होंने ये मांग पीएम मोदी से किया है. हाजी मोहम्मद ने पीएम मोदी के नाम एक पत्र लिखा और कहा कि देशभर में गाय की कुर्बानी और गौ-हत्या पर पूर्ण रूप से कानूनी प्रतिबंध लगाया जाए, साथ ही सनातन धर्म में पूजनीय गाय को भारत का 'राष्ट्रीय पशु' घोषित किया जाए, उनकी इस मांग की चर्चा पूरे देश में हो रही है, वहीं, अब लोग जानना चाह रहे हैं कि आखिर हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी कौन हैं? चलिए जानते हैं इनके बारे में कौन हैं हाजी मोहम्मद?

इस्लामिक स्कॉलर हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने अपने पत्र में लिखा, 'भारत विविधताओं, धार्मिक सहिष्णुता और गंगा-जमुनी तहजीब का देश है, जहां सभी समुदायों ने मिलकर देश की संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत किया है.' उन्होंने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण आधार रही है. गाय से करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है. परवेज सिद्दीकी ने भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत जिक्र करते हुए

लिखा कि गौवंश संरक्षण संविधान की भावना के अनुरूप है. हाजी मोहम्मद परवेज सिद्दीकी ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि यह गाय किसी धर्म या समुदाय विशेष के विरोध में नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, पशु संरक्षण और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है. उन्होंने कहा कि भारत का मुस्लिम समाज हमेशा देश की शांति, भाईचारे और आपसी सम्मान का समर्थक रहा है. परवेज सिद्दीकी ने केंद्र सरकार से मांग की कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने पर विचार किया जाए, गौसंरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष आयोग बनाया जाए और सभी धर्मों और समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर इस विषय पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए.

15 करोड़ की ऑनलाइन धोखाधड़ी में एक गिरफ्तार

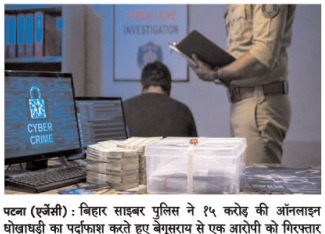

पटना (एजेंसी) : बिहार साइबर पुलिस ने १५ करोड़ की ऑनलाइन धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुए बेगूसराय से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली सूचना के मुताबिक यह गिरफ्तारी एक राष्ट्रव्यापी साइबर धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में हुई है। इसमें १५ करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी के बैंक खाते का कथित तौर पर म्यूल अकाउंट (पैसे ट्रांसफर करने का माध्यम) के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। इस खाते के ज़रिए ऑनलाइन घोटालों और डिजिटल पेमेंट धोखाधड़ी से जुड़े पैसे का लेन-देन किया जाता था। साइबर उच्च इमरान अहमद ने बताया कि जांचकर्ताओं को इस खाते से जुड़े १५,२५,३५,३०७ रुपये के संदिग्ध लेन-देन मिले हैं। इसकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि इस खाते को 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' के ज़रिए दर्ज की गई कई साइबर अपराध की शिकायतों में संदिग्ध के तौर पर चिह्नित किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग राज्यों से मिली कम से कम २०५ शिकायतें इस खाते से जुड़ी हुई थीं। इन शिकायतों में ऑनलाइन धोखाधड़ी, नकली निवेश योजनाओं, डिजिटल पेमेंट घोटालों और अन्य वित्तीय अपराधों के आरोप शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है। वह बेगूसराय ज़िले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरौनी फुलवरिया, वार्ड नंबर २ का रहने वाला है और सुरेश महतो का बेटा है। पुलिस ने बताया कि साइबर सेल और ज़िला पुलिस की एक संयुक्त टीम पिछले कई दिनों से इस आरोपी की तलाश कर रही थी और उसने कई संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी भी की थी।

पटना डीएम ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बदला स्कूलों का समय

पटना (एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना में सूरज देवता इन दिनों खूब आग बरसा रहे हैं. आसमान से गिरती इस भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए पटना के जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है. अब बच्चों को चिलचिलाती धूप में ज्यादा देर स्कूल में नहीं रुकना पड़ेगा.

पटना के जिला दंडाधिकारी (डीएम) डॉ. त्यागराजन एसएम ने एक नया सरकारी आदेश जारी किया है. इस आदेश के अनुसार, पटना जिले के भीतर आने वाले सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में कक्षा ८वीं तक की पढ़ाई अब सुबह ११ बजे के बाद नहीं हो सकेगी. यानी सुबह ११ बजते ही बच्चों की छुट्टी कर दी जाएगी. इस नियम को केवल बड़े स्कूलों पर ही नहीं, बल्कि छोटे बच्चों के प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी सख्ती से लागू किया गया है.

डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि दोपहर के समय धूप बहुत तेज हो जाती है और लू चलने लगती है. ऐसी भीषण गर्मी में छोटे बच्चों का स्कूल में रहना या दोपहर में घर लौटना उनकी सेहत के लिए बहुत खतरनाक साबित हो सकता है. बच्चे बीमार न पड़ें, इसीलिए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है. प्रशासन ने सभी स्कूल के प्राचार्यों और मैनेजमेंट को साफ निर्देश दिया है कि वे अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबल इस नए आदेश के हिसाब से बदल लें.

संकट नहीं थमा तो करोड़ों लोग हो जाएंगे गरीब : रोहिणी आचार्या

पटना (एजेंसी): आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गरीबी' वाले बयान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वैश्विक मंचों पर तो गरीबी के संकट को लेकर दुनिया को आगाह कर रहे हैं, लेकिन अपने ही देश की भयावह आर्थिक स्थिति और भुखमरी को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं।

दरअसल रोहिणी की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट के बाद आया है। रोहिणी ने देश के मौजूदा हालात को 'महासंकट' बताते हुए कहा कि २६ मई २०१४, यानी केंद्र में मौजूदा सरकार के आने के बाद से ही देश पर संकट के बादल मंडराने शुरू हो गए थे, जो आज एक विकराल रूप ले चुका है। सरकार की मुफ्त राशन योजना पर सवाल उठाते हुए रोहिणी आचार्य ने कहा कि देश की गरीबी का आलम यह है कि आज ८१.३५ करोड़ लोग महीने में मिलने वाले महज ५ किलो राशन के भरोसे जिंदगी काटने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति साफ दर्शाती है कि हिंदुस्तान की एक बहुत बड़ी आबादी आज भी गरीबी रेखा के नीचे या उसके बेहद करीब रह रही है। आरजेडी नेता ने आरोप लगाया कि सरकार आंकड़ों की बाजीगरी के जरिए देश के सामने सच्चाई को छिपाने और कुछ और ही दिखाने की कोशिश कर रही है।

ट्वीट में वैश्विक मंचों का जिक्र करते हुए रोहिणी ने प्रधानमंत्री को नीति आयोग, विश्व बैंक और ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़ों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि देश का हर पांचवां व्यक्ति आज गरीबी में जी रहा है। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष २०२४ की वैश्विक भूख रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि १२७ देशों की सूची में भारत १०५वें स्थान पर है, जिसे रिपोर्ट में चिंताजनक स्थिति माना गया है। उन्होंने तंज कसा कि प्रधानमंत्री देश के भीतर चुनावी रैलियों या किसी मंच से कभी गरीबी का जिक्र नहीं करते, इसलिए उन्हें वैश्विक मंचों पर इस विषय पर बात करते देख हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है।

अदाणी ग्रुप चार साल में 60 हजार करोड़ निवेश करेगा

पटना (ईएमएस) : बिहार में निवेश को लेकर अदाणी ग्रुप ने बड़ा ऐलान किया है. समूह के चेयरमैन गौतम अदानी ने रविवार को कहा कि अगले तीन से चार वर्षों में बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर ५० हजार करोड़ से ६० हजार करोड़ रुपये तक का निवेश किया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा सारण जिले के मस्तीचक में 'अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अदाणी सेंटर फॉर आई डिजीज' के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान की।

गौतम अदाणी ने कहा कि बिहार तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और अब राज्य की ग्रोथ का समय आ चुका है. उन्होंने कहा कि बिहार में सड़क, बिजली, उद्योग और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी जरूरत है और अदाणी ग्रुप राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बिहार देश की आर्थिक प्रगति में बड़ी भागीदारी निभा सकता है।

उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि भागलपुर जिले के पीरपैंती में २४०० मेगावाट के बड़े पावर प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है। इसके अलावा सड़क परियोजनाओं पर भी समूह लगातार निवेश कर रहा है। अदाणी ने कहा कि बिहार की जनता को इस विकास के दौर का पूरा लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन और उनकी पत्नी भी मौजूद रहीं. इस दौरान गौतम अदाणी ने बिहार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि मस्तीचक की पावन धरती पर आकर उन्हें गर्व और खुशी महसूस हो रही है। गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन और गायत्री मंत्र के जाप से उन्हें मानसिक शांति मिली है। उन्होंने कहा कि बिहार की यह भूमि समाज के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है।

लखनऊ कचहरी में वकीलों के चैंबर ध्वस्त

लखनऊ (ईएमएस) : लखनऊ में रविवार को न्याय के गलियारों में प्रशासन का बुलडोजर गरजा, इलाहाबाद हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद नगर निगम ने कचहरी और स्वास्थ्य भवन परिसर के बाहर दशकों से जमे अवैध कब्जों पर बड़ी कार्रवाई की। इस अभियान के तहत १०० से अधिक वकील चैंबरों समेत कुल २०० से अधिक अवैध ढांचों को चिन्हित कर ध्वस्त किया गया, जिससे इलाके में भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई। रविवार सुबह से ही नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी। यह अभियान कोर्ट परिसर के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर चलाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से अवैध कब्जों के कारण न सिर्फ आवागमन में बाधा आ रही थी, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी। इस कार्रवाई की जद में मुख्य रूप से वकीलों के चैंबर और अन्य छोटी दुकानें आईं।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि २०० से अधिक अवैध कब्जों को चिन्हित किया गया है, और यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी अतिक्रमण हटा नहीं दिए जाते। इससे पहले नगर निगम ने इन अवैध कब्जों पर लाल क्रॉस के निशान लगाकर नोटिस चस्पा किए थे और अतिक्रमणकारियों को १६ मई तक स्वयं कब्जा हटाने का समय दिया था। चेतावनी दी गई थी कि समय सीमा समाप्त होने के बाद १७ मई को प्रशासन कार्रवाई करेगा और उसका खर्च अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। हालांकि, इस बुलडोजर कार्रवाई का वकीलों ने जोरदार विरोध किया। बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौके पर एकत्र हुए और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। वकीलों का कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उनके चैंबर हटाना उनके कामकाज को सीधा प्रभावित करेगा और उन्हें रोजी-रोटी के संकट का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने इस कार्रवाई को अमानवीय बताते हुए रोष व्यक्त किया। प्रशासन की टीम मौके पर ढटी हुई है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाएगा और सार्वजनिक हित में यह अभियान जारी रहेगा, भले ही इसे लेकर वकीलों और प्रशासन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): जिले के बेड़ो प्रखंड के पुरनापानी बाजारटांड़ मैदान में आयोजित किसान सम्मान समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार कृषि क्षेत्र को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दिशा देने हेतु लगातार कार्य कर रही है। पायोनियर कंपनी द्वारा आयोजित इस किसान सम्मान समारोह में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की नई तकनीकों की जानकारी दी गई तथा प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया।

किसान जागरूक होकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि झारखंड के किसान अब जागरूक होकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर नई योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू कर रही है। सरकार का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को समय पर खाद, बीज एवं कृषि संसाधन उपलब्ध हों तथा उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि आज भी राज्य के अधिकांश किसान पारंपरिक पद्धति से खेती कर रहे हैं, लेकिन अब कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। किसानों को ट्रैक्टर, कृषि यंत्र, स्प्रेयर सहित अन्य उपकरण अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। मंत्री ने कहा कि सरकार केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा जलाशयों में केज फार्मिंग के माध्यम से उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई है। समितियों के माध्यम से सामूहिक मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे अनेक परिवारों की आजीविका मजबूत हो रही है।

इस वर्ष औसत से कम वर्षा होने की संभावना

उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के लिए बाजार शेड एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण युद्धस्तर पर किया जा रहा है, ताकि किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिल सके। मंत्री ने अल नीनो की संभावित स्थिति को लेकर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि विभाग लगातार कृषि कार्यशालाओं के माध्यम से अधिकारियों को निर्देशित कर रहा है कि वे प्रखंड स्तर पर किसानों को जागरूक करें। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष औसत से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को समय रहते धान की रोपनी करने के साथ-साथ केवल धान पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि कम पानी में होने वाली फसलों एवं मोटे अनाज की खेती की ओर भी आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से मोदसिर हक, विश्वनाथ शाहदेव, बुधराम बाड़ा, तंजीर हुसैन, मतियस खेस, बुधराम लोहरा, चन्द्रावती देवी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीति गरमाई
सरयू राय के पोस्ट पर विनोद पांडेय का पलटवार

रांची (एजेंसी): झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। इसे लेकर दल अपने-अपने स्तर से जोर लगा रहे है।

इस बीच जेडीयू विधायक सरयू राय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंन लिखा है कि झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों पर अगले माह चुनाव होने वाले है। ऐसे में यह संभावना है कि एक सीट के लिए राजनीतिक संपर्क वाले उद्योग जगत के कतिपय धनवान जोर आजमाइश करें।

ऐसा जेएमएम या बीजेपी के समर्थन के बिना संभव नहीं होगा। ऐसे में उन्होंने स्थानीय को उम्मीदवार बनाने की बात कही है और इसको लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी से अपील की थी।

एक्स पर इस पोस्ट के बाद जेएमएम के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने सरयू राय के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने लिखा है कि उनसे किसी ने सलाह नहीं मांगी है। उम्मीदवार कौन होगा किस दल से होगा यह हम सभी गठबंधन के साथी आपस में बैठकर तय कर लेंगे। हमारे द्वारा बहुत जल्द गठबंधन के नेताओं की बैठक बुलाई जाएगी। हमें इस विषय पर बहुत अधिक सवाल जवाब और सलाह की जरूरत नहीं हैं।

रांची के पहाड़ी मंदिर में रसूखदारों को छूट और आम श्रद्धालुओं की उपेक्षा, सीएम और डीसी से पहल की आस

रांची (एजेंसी): पहाड़ी मंदिर को लेकर अजय तिर्की एवं उत्तम यादव जी की संयुक्त अध्यक्षता में आज पहाड़ी मंदिर यात्री शेड परिसर में बैठक संपन्न हुई, जिसमें पहाड़ी मंदिर में व्याप्त भ्रष्टाचार, अव्यवस्था एवं स्थानीय लोगों की उपेक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि वर्ष १९९२ में पहाड़ी मंदिर विकास समिति का गठन स्थानीय नागरिकों के आर्थिक सहयोग एवं सामाजिक प्रयासों से किया गया था। उस समय रांची के उपायुक्त को समिति का अध्यक्ष तथा एसडीएम को सचिव बनाया गया था। समिति में पहाड़ी मंदिर की चारों दिशाओं में निवास करने वाले स्थानीय लोगों को भी स्थान दिया गया था, ताकि मंदिर की व्यवस्था पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित रहे।

कैमरे पर रोक, लेकिन रसूखदारों के लिए छूट

परंतु समय बीतने के साथ कुछ लोगों ने मंदिर पर एकाधिकार स्थापित करने की मंशा से स्थानीय नागरिकों को धीरे-धीरे समिति से बाहर कर दिया और मनमाने ढंग से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। आज स्थिति यह है कि पहाड़ी बाबा की पूजा विभिन्न समितियों एवं मंडलों द्वारा अलग-अलग तरीके से की जाती है, जबकि सामान्य श्रद्धालुओं को उस समय पूजा-अर्चना की अनुमति तक नहीं दी जाती। मंदिर परिसर में बड़े अक्षरों में फोटो एवं वीडियो लेना निषिद्ध लिखा गया है, परंतु प्रतिदिन कुछ विशेष लोगों एवं अधिकारियों को प्रसन्न करने हेतु पूजा के वीडियो, तस्वीरें एवं प्रसाद भेजे जाते हैं। यह आस्था एवं समानता की भावना के विपरीत है।

पहाड़ी मंदिर की मूल संरचना और सौंदर्य से खिलवाड़ का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने के नाम पर पहाड़ी मंदिर की मूल संरचना एवं सौंदर्य के साथ खिलवाड़ किया गया।

मंदिर की संरचनात्मक व्यवस्था को क्षति पहुँचाई गई, परंतु इसकी कोई निष्पक्ष जांच आज तक नहीं हुई। पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाने वाले चढ़ावे का कोई पारदर्शी लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है। मंदिर की आय एवं व्यय की सार्वजनिक जानकारी नहीं दी जाती, जिससे आम लोगों के मन में अनेक प्रश्न उत्पन्न हो रहे हैं। आज की बैठक में सभी की सहमति से निर्णय लिया गया कि राज्य के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं रांची के उपायुक्त से मिलकर कमेटी के द्वारा ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पहाड़ी मंदिर विकास समिति एवं धार्मिक न्यास बोर्ड को भंग किया जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि मंदिर परिसर में विभिन्न समितियों एवं मंडलों द्वारा अलग-अलग घेरे बनाकर होने वाली विशेष पूजा-पद्धति को समाप्त कर केवल एक अधिकृत एवं सार्वजनिक सरकारी पूजा व्यवस्था लागू की जाए। वार्ड पार्षद सुनील यादव, गोकुल चंद्र, मनीष सिंह, बबलू उरांव, शिव कच्छप, बंटी यादव, शैलेश नंद तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

15वें वित्त आयोग से रांची-धनबाद को 215.68 करोड़ अब हवा होगी साफ, प्रदूषण कम करने पर खर्च होगी राशि

रांची (एजेंसी): झारखंड के दो बड़े और प्रदूषण प्रभावित शहर रांची और धनबाद में अब वायु प्रदूषण कम करने की दिशा में बड़े स्तर पर काम शुरू होगा। केंद्र सरकार के १५वें वित्त आयोग के तहत राज्य को परिवेशीय वायु गुणवत्ता सुधार के लिए २१५ करोड़ ६८ लाख रुपये की अनुदान राशि मिली है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने इस राशि का आवंटन भी कर दिया है।

विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, धनबाद नगर निगम को १४७ करोड़ ६ लाख रुपये और रांची नगर निगम को ६८ करोड़ ६२ लाख रुपये दिए गए हैं। यह राशि वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में खर्च की जाएगी। सरकार का कहना है कि शहरों में बढ़ते धूलकण, वाहनों के धुएं और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इस फंड से कई योजनाएं लागू होंगी।

इन कार्यों पर खर्च होगी राशि

सरकार के निर्देश के अनुसार इस राशि से शहरों में सड़क किनारे हरियाली बढ़ाने, धूल नियंत्रण प्रणाली विकसित करने, वायु गुणवत्ता मापने वाले उपकरण लगाने, कचरा प्रबंधन को मजबूत करने, प्रदूषण प्रभावित इलाकों में विशेष सफाई अभियान चलाने, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अन्य कार्य किए जाएंगे। राशि का उपयोग केवल परिवेशीय वायु गुणवत्ता से संबंधित स्वीकृत योजनाओं पर ही किया जा सकेगा। वेतन या कार्यालय खर्च में इसका उपयोग नहीं होगा।

सीधे नगर निगमों के खातों में जाएगी राशि

नगर विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि अनुदान राशि संबंधित नगर निगमों के १५वें वित्त आयोग के लिए खोले गए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली से जुड़े बैंक खातों में सीधे भेजी जाएगी। राशि की निकासी और खर्च झारखंड कोषागार संहिता-२०१६ और वित्तीय नियमों के तहत होगा।

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर रहेगा जोर

सरकार ने नगर आयुक्तों और तकनीकी अधिकारियों को योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया है। आदेश में कहा गया है कि योजनाओं में किसी प्रकार की दोहरी फंडिंग या राशि का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। यदि किसी योजना में अनियमितता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

ऑडिट और उपयोगिता प्रमाणपत्र देना होगा

खर्च की गई राशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र महालेखाकार, झारखंड को भेजना अनिवार्य होगा। भारतीय अंकेक्षण एवं लेखा विभाग तथा राज्य वित्त अंकेक्षण विभाग को योजनाओं की जांच और लेखा परीक्षण का पूरा अधिकार दिया गया है। नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार द्वारा जारी इस आदेश को विभागीय मंत्री और आंतरिक वित्तीय सलाहकार की मंजूरी प्राप्त है।

जेटेट भाषा विवाद पर कल होगी उच्च स्तरीय समिति की बैठक, प्रोजेक्ट भवन में होगा मंथन

रांची (एजेंसी): झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) नियमावली में भाषा विवाद को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक सोमवार १८ मई को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर गठित यह समिति जेटेट में भोजपुरी, मगही, अंगिका और मैथिली जैसी भाषाओं को शामिल करने के मुद्दे पर विचार करेगी।

समन्वयक वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह,पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद तथा नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार को सदस्य बनाया गया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को बैठक आयोजित करने और समिति को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में भाषा सूची को लेकर विभिन्न पक्षों की राय पर चर्चा होने के साथ विवाद के समाधान को लेकर आगे की रणनीति तय किए जाने की संभावना है।

शिव मंदिर में मां पार्वती की प्रतिमा खंडित मिलने से तनाव, पुलिस जांच में जुटी

जामताड़ा (एजेंसी): जिले में रविवार सुबह एक धार्मिक स्थल पर हुई घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जामताड़ा थाना क्षेत्र स्थित गांधी मैदान के पास बने शिव मंदिर में मां पार्वती की प्रतिमा खंडित अवस्था में मिलने से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय निवासी मंदिर परिसर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार, सुबह श्रद्धालु नियमित पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा पर पड़ी। प्रतिमा के दोनों ओर गंभीर क्षति के निशान दिखाई दिए और प्रतिमा का सिर एवं गर्दन टूटा हुआ पाया गया। प्रतिमा की यह स्थिति देखकर श्रद्धालु स्तब्ध रह गए और देखते ही देखते मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद जामताड़ा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। साथ ही साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मंदिर और आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा को जिस प्रकार नुकसान पहुंचाया गया है, उससे यह आशंका जताई जा रही है कि किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर इस घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और लोगों ने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। कई स्थानीय लोगों ने कहा कि धार्मिक स्थलों के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाएं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास हो सकती हैं।

हिरनी फॉल से लौटते समय पुल की रेलिंग तोड़कर 20 फीट नीचे गिरी थार, बड़े भाई की मौत

रांची (एजेंसी): खूंटी के दर्दनाक हादसे में पुल की रेलिंग तोड़कर २० फीट नीचे गिरी थार दुर्घटना में बड़े भाई की मौत हो गई। ये हादसा रांची-चाईबासा मुख्य सड़क पर मुरहू थाना क्षेत्र के बिंदा और सांडीगांव के बीच हुआ, जब थार वाहन एक परिवार को लेकर हिरनी फॉल से लौट रहा था। मिली खबरों में बताया गया है कि तेज रफ्तार थार वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए लगभग २० फीट नीचे चला गया। इस दुर्घटना में रांची के डोरंडा गौरीशंकर नगर निवासी उज्ज्वल साहू की जान चली गई और उनकी बहन काजल गुप्ता, भाई सागर कुमार गुप्ता और बहनोई दीपू गुप्ता जख्मी हो गए। बताया गया है कि घायलों में दीपू गुप्ता की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि काजल गुप्ता और सागर कुमार गुप्ता खबर लिखे जाने तक खतरे से बाहर हैं। सभी घायलों का इलाज खूंटी सदर अस्पताल में किया गया। इसके बाद उनको रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है।

अस्पताल में भर्ती जख्मी सागर कुमार गुप्ता ने बताया कि वे रांची के गौरीशंकर नगर, डोरंडा के निवासी हैं। रविवार को वे अपनी बहन काजल गुप्ता, जीजा दीपू गुप्ता और बड़े भाई उज्ज्वल साहू हिरनी फॉल भ्रमण के लिए आए थे। लौटने के दौरान उज्ज्वल साहू थार चला रहे थे। सांडीगांव से आगे बढ़ने के बाद बिंदा के पास पुलिया के समीप थार वाहन अनियंत्रित हो गया और रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा।

पृष्ठ एक का शेषांश

त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन---

ब्रेक सिस्टम में भी आग लग गई। यह घटना रुनखेड़ा स्टेशन के पास हुई, जहां समय रहते कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यह वेन हादसा स्थल के लिए रवाना की गई थी, लेकिन सब सामान्य होने की सूचना पर वापस लौट रही थी, तभी यह हादसा हो गया। त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस आग हादसे के बाद लगातार हो रही इन घटनाओं ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक पर परिचालन आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है और अप लाइन से ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। नागदा, उज्जैन और रतलाम स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं ताकि यात्रियों को जानकारी और सहायता मिल सके। रेलवे की तकनीकी टीमें प्रभावित रूट पर मरम्मत और सुरक्षा जांच में जुटी हुई हैं, ताकि जल्द से जल्द सामान्य रेल यातायात बहाल किया जा सके।

अब दो नहीं, तीसरा---

लेकिन अब उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है। उनका कहना है कि राज्य में तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक हालात के कारण परिवार छोटे होते जा रहे हैं। कई दंपति केवल एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब पहला बच्चा बेटा न हो। नायडू ने कहा कि इन वजहों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि किसी भी समाज की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर का २.१ होना जरूरी है। अगर यह दर इससे नीचे चली जाती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी बढ़ने लगती है और काम करने वाली युवा आबादी कम हो जाती है। सीएम नायडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में घटती आबादी और बढ़ती बुजुर्ग संख्या आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भारत के कुछ राज्यों में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है।

जमानत आदेश के बाद---

में कमी आएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल न्याय प्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रभावी और नागरिक हितैषी बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और ९ सुप्रीम कोर्ट के जजों की उपस्थिति में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक समारोह के दौरान यह ए-आई आधारित व्यवस्था लागू कर दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट को---

रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला देश की सबसे बड़ी अदालत में लंबित मुकदमों के भारी बोझ को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित है। वर्तमान समय में न्यायालयों पर मामलों का अत्यधिक दबाव है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया में देरी होती है। सरकार को उम्मीद है कि जजों की संख्या में इस बढ़ोतरी से मुकदमों के निपटारे (केस डिस्पोजल) की कार्यवाही में तेजी आएगी। इससे न केवल न्यायिक प्रणाली सुदृढ़ होगी, बल्कि देश के आम नागरिकों को भी समय पर और जल्द न्याय मिल सकेगा।

10 मिनट में खत्म हुआ 100 साल पुराने पुल का सफर, जामताड़ा स्टेशन का ऐतिहासिक ओवरब्रिज हुआ जमींदोज

जामताड़ा (एजेंसी): आधुनिक विकास और सुरक्षा मानकों की रेस में जामताड़ा रेलवे स्टेशन का एक ऐतिहासिक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया। स्टेशन परिसर में स्थित करीब सौ वर्ष से भी अधिक पुराने रेलवे फुट ओवरब्रिज को आखिरकार रेलवे प्रशासन द्वारा सफलतापूर्वक जमींदोज कर दिया गया। लंबे समय से जर्जर घोषित हो चुके इस पुल से सुरक्षा कारणों के चलते काफी पहले ही आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। रविवार को आसनसोल रेल मंडल के निर्देश पर बेहद सावधानी और पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के बीच सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

कभी शहर की 'लाइफ लाइन' था यह पुल

यह फुट ओवरब्रिज सिर्फ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं था, बल्कि दशकों तक जामताड़ा के लोगों के लिए 'लाइफ लाइन' बना हुआ था। इसने कई पीढ़ियों के सफर को आसान बनाया। थाना रोड क्षेत्र के निवासियों के लिए मुख्य बाजार तक पहुँचने का यह सबसे छोटा और सुविधाजनक रास्ता था। इसके अलावा, जामताड़ा महाविद्यालय, स्थानीय थाना और न्यायालय जाने वाले वकीलों, दैनिक यात्रियों, छात्रों के लिए यह पुल बेहद अहम भूमिका निभाता था। आधुनिक विकास की रफ्तार में अब यह पुरानी सुविधा इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है।

महज १० मिनट में पूरा हुआ ऑपरेशन

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे ऑपरेशन को सिग्नल डीआरआई ब्रिज विभाग की कड़ी निगरानी में पूरा किया गया। जर्जर ढांचे को हटाने के लिए रेलवे ने भारी-भरकम आधुनिक मशीनों का सहारा लिया।

इनकी मदद से मुख्य ऊंचे ढांचे को महज १० मिनट के भीतर बेहद सुरक्षित तरीके से काटकर जमीन पर उतार लिया गया। रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरने वाली हाई टेंशन बिजली तारों को सुरक्षित हटाने और काम के बाद उन्हें वापस दुरुस्त करने के लिए चार टावर वैगनों को काम पर लगाया गया था।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

हादसे की आशंका को देखते हुए कार्रवाई शुरू होने से पहले ही पूरे रेलवे परिसर को यात्रियों से खाली करा लिया गया था। मौके पर जामताड़ा स्टेशन प्रबंधक एस.के. पासवान, आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) के जवान, रेलवे के तकनीकी कर्मी और संबंधित विभागों के आला अधिकारी मुस्तैद रहे। पूरी प्रक्रिया को इतनी सटीक तकनीकी निगरानी में पूरा किया गया। इस पुराने ओवरब्रिज के हटने से शहरवासी थोड़े भावुक जरूर हैं, क्योंकि इसके साथ उनकी कई पुरानी यादें जुड़ी हुई थीं।

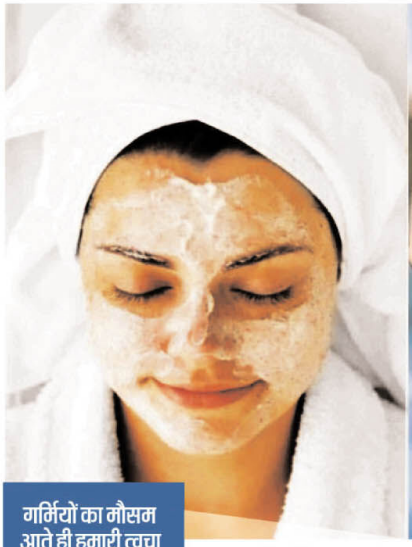

गर्मियों का मौसम आते ही हमारी त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ता है। तेज धूप, पसीना, धूल और प्रदूषण त्वचा को ऑयली, डल और बेजान बना देते हैं। कई लोगों को इस मौसम में पिंपल्स, टैनिंग और स्किन इरिटेशन जैसी समस्याएं भी होने लगती हैं।

गर्मियों में पाएं साफ और चमकदार त्वचा, अपनाएं ये आसान स्किन केयर रूटीन

ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा के लिए एक सही और नियमित स्किन केयर रूटीन अपनाएं। इसके लिए आपको महंगे प्रोडक्ट्स या पार्लर जाने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान स्टेप्स को घर पर फॉलो करके आप अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं।

एक सही स्किन केयर रूटीन न सिर्फ आपकी त्वचा को साफ रखता है, बल्कि उसे सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाता है। साथ ही यह आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और फ्रेश बनाए रखता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे गर्मी के मौसम के लिए एक आसान और असरदार स्किन केयर रूटीन, जिसे आप घर पर ही अपना कर सकते हैं। अगर आप इन 5 आसान स्टेप्स को अपनी रोजमर्रा की आदत में शामिल करते हैं, तो आपकी त्वचा हमेशा हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग बनी रहेगी।

क्लींजिंग

दिन में 2 बार चेहरे को माइल्ड फेस वॉश से साफ करें।

यह पसीना, गंदगी और अतिरिक्त ऑयल को हटाता है।

ऑयली स्किन के लिए जेल-बेस्ड क्लींजर बेहतर होता है।

टोनिंग

टोनर का इस्तेमाल त्वचा के पोर्स को टाइट करता है।

यह स्किन को फ्रेश और बैलेंस्ड बनाए रखता है।

रोज चेहरा धोने के बाद टोनर लगाना जरूरी है।

मॉइस्चराइजिंग

गर्मी में भी मॉइस्चराइजर जरूरी होता है। लाइट और ऑयल-फ्री मॉइस्चराइजर स्किन को हाइड्रेट रखता है, वो भी बिना चिपचिपाहट के। गर्मी में ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर का उपयोग करना चाहिए।

सनस्क्रीन

धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

यह आपकी त्वचा को यूवी किरणों और टैनिंग से बचाता है।

हर 2-3 घंटे में दोबारा लगाना न भूलें।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे, 7 दिन में दिख सकता है असर

टैनिंग हटाने के लिए नींबू, दही, बेसन, हल्दी और एलोवेरा जैसे प्राकृतिक तत्व बेहद प्रभावी होते हैं। इनका नियमित उपयोग स्किन को साफ, निखरी और टैन-फ्री बनाता है।

गर्मियों का मौसम आते ही सबसे बड़ी समस्या त्वचा की टैनिंग होती है। तेज धूप, प्रदूषण और बाहर ज्यादा समय बिताने की वजह से स्किन का रंग डार्क पड़ने लगता है। चेहरे, हाथ और पैरों पर टैनिंग न सिर्फ आपकी खूबसूरती को प्रभावित करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी कम कर देती है।

हालांकि, बाजार में टैनिंग हटाने के लिए कई तरह के केमिकल प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं, लेकिन इनका असर हर किसी पर एक जैसा नहीं होता और कई बार ये स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में देसी और प्राकृतिक नुस्खे एक सुरक्षित और असरदार विकल्प बनकर सामने आते हैं।

घरेलू उपायों की खास बात यह है कि ये आसानी से उपलब्ध सामग्री से तैयार होते हैं और त्वचा को कोमल प्रभाव डालते हैं। साथ ही इनके नियमित उपयोग से धीरे-धीरे स्किन का नैचुरल ग्लो भी वापस आता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे टैनिंग हटाने के कुछ ऐसे देसी नुस्खे, जो आसान होने के साथ-साथ बेहद प्रभावी भी हैं।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में मदद करती हैं। शहद स्किन को मॉइश्चराइज करता है। दोनों को मिलाकर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर धो लें।

दही और बेसन फेस पैक

दही स्किन को ठंडक देता है और बेसन डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

एलोवेरा जेल का उपयोग

एलोवेरा स्किन को शांत करता है और टैनिंग को कम करने में मदद करता है। रोज रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाने से स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा स्किन को ठंडक देता है और गुलाब जल स्किन टोन को संतुलित करता है। दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन फ्रेश और टैन-फ्री दिखती है।

बच्चे के पैर में रहता है हमेशा दर्द तो ये है खतरे की घंटी, इसे बिल्कुल ना करें इग्नोर

क्या आपका बच्चा पैर में दर्द की शिकायत करता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चेतावनी है कि इसे 'बढ़ने के दर्द' के तौर पर नजरअंदाज न करें, बल्कि इसे भविष्य में हड्डियों या घुटनों से जुड़ी बीमारियों का संकेत मानें। छोटे बच्चों को घुटनों से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि जेनु डिस्कोइड मेनिस्कस (घुटने में मेनिस्कस का असामान्य आकार), लिगामेंट फटना, जुवेनाइल रूमेटॉइड आर्थराइटिस और मोटापे से जुड़ा घुटने का दर्द। हालांकि बच्चों में घुटनों से जुड़ी बीमारियां और आर्थराइटिस बहुत आम नहीं हैं, लेकिन जुवेनाइल रूमेटॉइड आर्थराइटिस बच्चों को कम उम्र में ही अपनी चपेट में ले सकता है और शरीर के कई जोड़ों को प्रभावित कर सकता है।

बच्चों के दर्द को ना करें नजरअंदाज

कभी-कभी 3 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के पैरों में जो दर्द और टीस महसूस होती है, खासकर रात में उसे आमतौर पर 'बढ़ने का दर्द' माना जाता है। हालांकि, इसे ज्यादा समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे बच्चे को बाद में ऑस्टियोआर्थराइटिस होने का खतरा है। डॉक्टर कहते हैं कि 'जुवेनाइल आर्थराइटिस' में छोटे बच्चों के जोड़ों पर 'रूमेटॉइड आर्थराइटिस' का असर पड़ता है - यह एक ऐसी स्थिति है जिससे जोड़ों में सूजन और दर्द होता है इस बीमारी का कोई सटीक कारण पता नहीं है। शोधकर्ताओं का मानना ??है कि कुछ बच्चों में ऐसे जीन होते हैं जिनकी वजह से उन्हें यह बीमारी होने की संभावना ज्यादा होती है। पर्यावरण में मौजूद किसी चीज (जैसे कोई वायरस) के संपर्क में आने से इन बच्चों में जुवेनाइल आर्थराइटिस शुरू हो जाता है।

लड़कियों को ज्यादा है दर्द की समस्या

जो बच्चे सुस्त जीवनशैली जीते हैं, मोटे होते हैं और अस्वस्थ खाना खाते हैं, उनके बड़े होने पर उनके जोड़ों में घिसाव तेजी से शुरू होने की संभावना ज्यादा होती है। डॉक्टर कहते हैं- 'लड़कियों में यह समस्या लड़कों के मुकाबले ज्यादा आम है। जिन बच्चों के घुटने आपस में टकराते हैं, जिनके पैर धनुषाकार होते हैं और जो मोटे होते हैं, उनमें जोड़ों की समस्या होने का खतरा ज्यादा होता है। जहां छह (जुवेनाइल रूमेटॉइड आर्थराइटिस) 8 से 18 साल के बच्चों में ज्यादा आम है, वहीं 'सेप्टिक आर्थराइटिस' (बैक्टीरिया या फंगस के संक्रमण के कारण जोड़ों में सूजन) 5 साल से कम उम्र के बच्चों में होता है।

दर्द से बचने के उपाय

ऐसे में बच्चों को हेल्दी खाने की आदतें डालने और जंक फूड से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। प्रोटीन, सिंपल कार्बोहाइड्रेट, ताजे फल और सब्जियों, खूब सारे तरल पदार्थों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर डाइट बचपन के मोटापे की घटनाओं को कम कर सकती है। इसके अलावा, रेगुलर एरोबिक एक्सरसाइज और स्विमिंग शरीर के वजन को कंट्रोल में रखने और हेल्दी जोड़ों के लिए जरूरी मांसपेशियों का अच्छा संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकती है। इसलिए अगली बार जब बच्चे पैर में दर्द की शिकायत करें तो इसे नजरअंदाज ना करें।

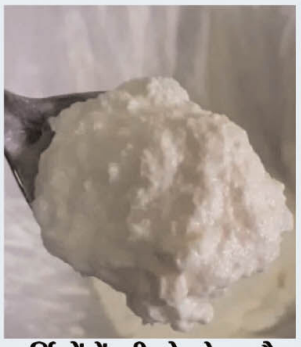

गर्मियों में दही छोड़ दे रहा है पानी तो आज़माए ये ट्रिक्स, मिनटों में हो जाएगा गाढ़ा

गर्मियों में लोग अपने आप को हाइड्रेटेड और पाचन को बेहतर रखने के लिए दही का खूब इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, इस मौसम में अक्सर तापमान ज्यादा होने की वजह से दही पतली होकर पानी छोड़ने लगती है, जिससे उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों खराब हो जाते हैं। अगर आपको भी इस समस्या का सामना करना पड़ता है तो इन कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर आप मिनटों में दही को फिर से गाढ़ी और क्रीमी बना सकते हैं। चलिए नोट कर लें ये टिप्स

दही पानी न छोड़े इसलिए इन टिप्स को करें फॉलो :

सूती कपड़े में डालकर लटकाएं : अगर दही ने पानी छोड़ दिया है तो उसे गाढ़ा बनाने के लिए सूती के कपड़े का इस्तेमाल करें। एक साफ सूती कपड़े में दही को डालकर उसे लटका दें। ऐसा करने से उसका एक्स्ट्रा पानी निकल जाएगा और दही गाढ़ी हो जाए।

मिट्टी या मोटे बर्तन का इस्तेमाल करें : अगर आप चाहते हैं कि दही पानी न छोड़े तो मिट्टी के बर्तन का इस्तेमाल करें। मिट्टी के बर्तन दही के एक्स्ट्रा पानी को एब्सॉर्ब कर लेते हैं, जिससे दही ज्यादा गाढ़ा मलाईदार और सोंधी खुशबू वाला बनता है।

मलाई मिलाएं : अगर दही पतली हो गई है, तो उसमें 1-2 चम्मच ताजी मलाई मिलाकर अच्छे से फेंट लें। इससे दही तुरंत गाढ़ी हो जाएगी। मलाई मिलाने से न केवल दही की थिकनेस बढ़ती है, बल्कि उसका स्वाद भी क्रीमी हो जाता है। अगर मलाई न हो, तो आप इसमें 1-2 चम्मच मिल्क पाउडर मिलाकर भी फेंट सकते हैं, इससे भी दही गाढ़ी हो जाती है।

दूध हल्का गुनगुना हो : दही जमाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि दूध हल्का गुनगुना हो और उसे ज्यादा हिलाएं नहीं। अगर दूध ज्यादा गर्म हुआ और आपने तब जामन का इस्तेमाल किया तो दही अच्छी तरह से नहीं जमेगी और पानी छोड़ देगी।

फुल-फैट दूध का करें इस्तेमाल : गाढ़ी दही जमाने के लिए हमेशा फुल क्रीम या भैंस के दूध का इस्तेमाल करें। पानी वाले दूध से दही पतला जमता है इसलिए पतले दूध का इस्तेमाल न करें

गर्मी की वजह से सड़ने गलने लगे हैं फ्रेश टमाटर तो इन टिप्स को करें फॉलो, जल्दी नहीं होंगे खराब

गर्मियों में तेज तापमान का असर सिर्फ हमारे शरीर पर ही नहीं, बल्कि किचन में रखी सब्जियों पर भी पड़ता है। खासकर टमाटर, जो थोड़ी सी गर्मी में ही नरम होकर सड़ने लगते हैं। ऐसे में बार-बार टमाटर खराब होना न सिर्फ परेशानी बढ़ाता है, बल्कि पैसों की बर्बादी भी करता है। लेकिन कुछ आसान स्टोरेज टिप्स अपनाकर आप टमाटरों को लंबे समय तक ताजा और इस्तेमाल लायक रख सकते हैं।

टमाटर को सड़ने से बचाने के लिए आजमाए ये टिप्स :

प्लास्टिक बैग में न रखें : सबसे पहले ध्यान रखें कि टमाटरों को कभी भी प्लास्टिक बैग में बंद करके न रखें। इससे उनमें नमी जमा हो जाती है और वे जल्दी गलने लगते हैं।

हमेशा खुली जगह पर रखें : टमाटर को हमेशा खुले और हवादार स्थान पर रखें, ताकि हवा का सही सर्कुलेशन बना रहे।

सीधी धूप से बचाएं : अगर टमाटर अभी पूरी तरह पके नहीं हैं, तो उन्हें कमरे के तापमान पर ही रखें और सीधी धूप से दूर रखें।

पूरी तरह पके टमाटर ही फ्रिज में रखें : जब टमाटर पूरी तरह पक जाएं, तब आप उन्हें फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। लेकिन उन्हें रखने से पहले धोना नहीं चाहिए, क्योंकि नमी से वे जल्दी खराब हो सकते हैं।

धोकर स्टोर न करें : इस्तेमाल करने से ठीक पहले ही धोएं। साथ ही, टमाटरों को डंठल (स्टेम) वाली साइड नीचे की ओर रखकर रखने से उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है और वे ज्यादा समय तक फ्रेश रहते हैं।

प्यूरी बनाकर स्टोर करें : अगर आपके पास ज्यादा मात्रा में टमाटर हैं, तो उन्हें काटकर एयरटाइट कंटेनर में फ्रिज में स्टोर किया जा सकता है। आप चाहें तो टमाटर की प्यूरी बनाकर भी रख सकते हैं, जिससे वे लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं और जरूरत पड़ने पर आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

इन छोटे-छोटे लेकिन असरदार टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी टमाटरों को जल्दी खराब होने से बचा सकते हैं। इससे न सिर्फ आपकी सब्जियां लंबे समय तक फ्रेश रहेंगी, बल्कि फूड वेस्टेज भी कम होगा और पैसे की बचत भी होगी।

कोहली के सीजन में 500 रन पूरे

इस आईपीएल की चौथी फिफ्टी

रचा इतिहास, पंजाब किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल इतिहास में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। कोहली अब किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरते ही विराट ने इस खास सूची में खुद को नंबर-1 पर पहुंचा दिया। अब उनके नाम पीबीकेएस के खिलाफ 1189 रन हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में खुद का ही चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बनाया गया रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। विराट कोहली 31 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने शशांक सिंह की गेंद पर लॉन्ग-ऑफ की दिशा में शॉट खेलकर एक रन लिया और आईपीएल करियर की 67वीं तथा इस सीजन की चौथी फिफ्टी पूरी की।विराट कोहली 58, देवदत्त पडिक्कल 45 और जैकब बेथेल 11 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब की ओर से हरप्रीत बरार ने 2 और युजवेंद्र चहल को 1 विकेट मिला।

आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन

1189* रन – विराट कोहली 1- पंजाब किंग्स
1174 रन – विराट कोहली 1 चेन्नई सुपर किंग्स
1172 रन – विराट कोहली 1 दिल्ली कैपिटल्स
1161 रन – रोहित शर्मा 1 कोलकाता नाइट राइडर्स
1134 रन – डेविड वॉर्नर 1 पंजाब किंग्स
1126 रन – विराट कोहली 1 कोलकाता नाइट राइडर्स

पंजाब के खिलाफ विराट का दबदबा जारी

विराट कोहली का बल्ला हमेशा पंजाब किंग्स के खिलाफ जमकर चला है। आईपीएल 2026 में भी उनका शानदार फॉर्म जारी है।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता एफए कप फुटबॉल

फाइनल में चेल्सी को 1-0 से हराया, एंटोनी सेमेन्यो का बैक-हील गोल

लंदन (एजेंसी)। 72वां मिनट...एर्लिंग हालांड का सटीक क्रॉस...एंटोनी सेमेन्यो ने तेजी से दौड़ते हुए गेंद को एड़ी से फ्लिक कर दिया। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज ने चीते जैसी फुर्ती दिखाते हुए हवा में छलांग लगाई, लेकिन गोल नहीं रोक सके। सेमेन्यो के इस हैरतअंगेज गोल ने मैनचेस्टर सिटी को एफए कप का नया चैंपियन बना दिया। 155 साल पुराने इस टूर्नामेंट में शायद ही कोई फाइनल इतने शानदार गोल से जीता गया हो। वेम्बली स्टेडियम में सिटी ने चेल्सी को 1-0 से हराया। टीम के पास इस सीजन में डोमेस्टिक ट्रेबल का मौका है।

- **72वें मिनट में आया मैजिक मोमेंट** – पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद दोनों टीमें लगातार गोल की कोशिश कर रही थीं, लेकिन, गोल के मौके नहीं बन रहे थे। तभी 72वें मिनट में घाना के फॉरवर्ड सेमेन्यो की बूट से गोल आया। यह उनका 10वां गोल है। वे टीम को दो ट्रॉफियां जिताने में मदद कर चुके हैं।
- **गार्डियोला की 35वीं बड़ी ट्रॉफी** – मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला के लिए यह जीत बड़ा मील का पत्थर है। सिटी के साथ 10 साल में यह उनकी 17वीं बड़ी ट्रॉफी, जबकि करियर की कुल 35वीं बड़ी ट्रॉफी है। सिटी ने आठवीं बार एफए कप जीतकर चेल्सी, लिवरपूल और टॉटेनहम के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। आर्सेनल 14 खिताबों के साथ टॉप पर है।
- **चेल्सी के लिए संकटों से भरा रहा सीजन** – इस हार के बाद पूर्व क्लब विश्व कप चैंपियन चेल्सी इस सीजन ट्रॉफी नहीं जीत सकेगी। साल की शुरुआत से दो कोच बर्खास्त करने के बाद टीम नए अंतरिम कोच कैलम मैक्फर्लेन के मार्गदर्शन में उतरी थी। सीनियर टीम के साथ यह उनका सिर्फ सातवां मैच था। मैच से पहले चेल्सी फैंस ने अमेरिकी मालिकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया।
- **सिल्वा-स्टोन्स की विदाई** – मैच के बाद सिटी फैंस ने क्लब का एंथम लू मून गाकर जश्न मनाया। यह मुकाबला बर्नार्डो सिल्वा और जॉन स्टोन्स के लिए भावुक रहा, क्योंकि दोनों सीजन के अंत में क्लब छोड़ रहे हैं। सिल्वा ने कहा, %जब से मैं यहां आया हूं, हमने 20 ट्रॉफियां जीती हैं, जो कि बुरा रिकॉर्ड नहीं है। मैं मैनचेस्टर सिटी से बहुत प्यार करता हूं।

कोलकाता की प्लेऑफ उम्मीदें बरकरार

बेंगलुरु के पास नॉकआउट में पहुंचने का मौका; पंजाब, राजस्थान और दिल्ली को हर मैच जीतना जरूरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 60 मैच पूरे हो चुके हैं। शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखीं। कोलकाता 12 मैचों में 11 पॉइंट्स के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गई है। टीम को अंतिम-4 में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे।

गुजरात हार के बाद भी दूसरे स्थान पर कायम – कोलकाता से हार के बाद भी गुजरात दूसरे स्थान पर बनी हुई है। टीम के 13 मैच में 8 जीत और 5 हार के साथ 16 पॉइंट्स हैं। गुजरात का अगला मैच चेन्नई से है, जिसे उसे जीतना होगा। बेंगलुरु 16 पॉइंट्स और +1.053 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर है। टीम पंजाब को हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर सकती है। उसे पंजाब और हैदराबाद से मैच खेलना है।

कोलकाता को एक स्थान का फायदा – गुजरात पर जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स सातवें स्थान पर पहुंच गई है। टीम के 12 मैचों में 11 पॉइंट्स हैं। केकेआर को अब मुंबई और दिल्ली से मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए टीम को दोनों मुकाबले जीतने होंगे। साथ ही दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

हैदराबाद तीसरे पायदान पर – हैदराबाद 12 मैच में 14 पॉइंट्स के साथ तीसरे पायदान पर है। टीम को प्लेऑफ में जाने के लिए 18 मई को चेन्नई और 22 मई को बेंगलुरु को हराना होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी

थाईलैंड ओपन का फाइनल हारी

इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12, 25-23 से हराया, इस सीजन एक भी टाइटल नहीं जीते

बैंकॉक (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार झेलनी पड़ी। उन्हें रविवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन ने 21-12, 25-23 से हराया। दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने मैच में 4 चैंपियनशिप पॉइंट बचाए। हालांकि, 53 मिनट चले मुकाबले को वे तीसरे गेम तक नहीं ले जा सके। यह जोड़ी इस सीजन पहली बार फाइनल में पहुंची थी। सात्विक-चिराग 2019 और 2024 में यह टूर्नामेंट जीत चुके हैं। इस हार के बाद उनका इस सीजन पहला खिताब जीतने का इंतजार बढ़ गया है।

2 पॉइंट्स में फाइनल का रोमांच

पहला गेम (12-21)- शुरुआत में भारतीय जोड़ी लय में नहीं दिखी। चिराग को सर्विस में संघर्ष करना पड़ा, जिससे इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त बना ली। सात्विक-चिराग की नेट पर गलतियों का फायदा उठाकर लियो और डैनियल ने पहला गेम आसानी से जीत लिया।

दूसरा गेम (23-25)-सात्विक-चिराग ने दमदार वापसी करते हुए 11-9 की बढ़त बनाई। इसके बाद स्कोर 14-14 से 19-19 तक बराबरी पर रहा। भारतीय जोड़ी ने 4 मैच पॉइंट हासिल किए, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने स्कोर 20-20 कर दिया। सात्विक-चिराग ने लगातार 4 चैंपियनशिप पॉइंट बचाए, लेकिन हार नहीं टाल सके।

सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया था

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह स्जे फी और नूर इज्जुद्दीन को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। मुकाबला 82 मिनट तक चला।

सात्विक-चिराग का अभियान, अब तक अजेय रहे

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल तक अजेय रही थी। उसने राउंड ऑफ 32 में इंडोनेशिया, राउंड ऑफ 16 में मलेशिया, क्वार्टर फाइनल में जापान और सेमीफाइनल में मलेशिया की जोड़ी को हराया था।

रोनाल्डो की टीम एशियन चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हारी

अल नासिर एक भी गोल नहीं कर सकी, गाम्बा ओसाका ने 1-0 से हराया

रियाद (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासिर एशियाई चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हार गई। जापान के क्लब गाम्बा ओसाका ने उसे 1-0 से हराया। मैच में ज्यादा समय गेंद पर पोजेशन और कई मौके मिलने के बावजूद रोनाल्डो और उनके साथी एक भी गोल नहीं कर सके। दिसंबर 2022 में अल नासिर से जुड़े रोनाल्डो के पास हाफटाइम से पहले बराबरी का सुनहरा मौका था, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका क्लोज-रेंज हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया।

डेनिज हैमट ने दागा इकलौता गोल - मैच का इकलौता गोल फर्स्ट हाफ में गाम्बा ओसाका के तुर्की फॉरवर्ड डेनिज हैमट ने किया। उन्होंने 30वें मिनट में डी-एरिया के अंदर से लो-शॉट मारकर गेंद नेट के निचले कोने में पहुंचाई। लंबी वीएआर जांच के बाद गोल को सही माना गया।

हाफटाइम पर चोटिल होकर बाहर हुए मैच विनर हैमट ने कहा, मैं गोल करके टीम की मदद करने से बेहद खुश हूँ। दूसरी छमाही में बेंच पर बैठकर मैच देखना काफी तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे अपने साथियों पर गर्व है जिन्होंने शानदार डिफेंस किया। अब जश्न मनाने का समय है।

जोआओ फेलिक्स भी मौका चूके

चेल्सी से पिछले साल जुलाई में अल नासिर से जुड़े जोआओ फेलिक्स ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले बॉक्स के बाहर से दमदार लो-शॉट लिया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर लौट आई। यहां अल नासिर की किस्मत ने साथ नहीं दिया।

नासिर ने हफ्ते सऊदी प्रो-लीग जीतने का मौका गंवाया

यह हफ्ता अल नासिर के फैंस के लिए निराशाजनक रहा। 5 दिन पहले टीम 2019 के बाद पहली बार सऊदी प्रो लीग जीतने के करीब थी, लेकिन इंजरी टाइम में गोल खाने से खिताब का फैसला आखिरी मैच-डे तक पहुंच गया।हालांकि, अल नासिर के पास अभी भी सऊदी प्रो लीग जीतने का मौका है। टीम अंक तालिका में अल-हिलाल से 2 अंक आगे है। गुरुवार को दमाक के खिलाफ आखिरी मुकाबला जीतकर वह ट्रॉफी अपने नाम कर सकती है।

इटालियन ओपन: एलिना स्वितोलिना ने कोको गॉफ को हराकर तीसरी बार जीता खिताब

रोम (एजेंसी)। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरी बार इटालियन ओपन का महिला सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने फाइनल में तीसरी सीड कोको गॉफ को 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराया। लगभग 2 घंटे 49 मिनट तक चला यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।

शुरुआती दबाव से शानदार वापसी – मैच के पहले सेट में कोको गॉफ ने मजबूत शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली थी। लेकिन आठवें गेम में गॉफ की दो डबल फॉल्ट्स ने मुकाबले का रुख बदल दिया और स्वितोलिना ने वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया। इसके बाद यूक्रेनी खिलाड़ी ने नौवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए और 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में गॉफ की दमदार वापसी – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। गॉफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक हासिल किया, लेकिन जब वह सेट के लिए सर्व कर रही थीं तब स्वितोलिना ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ नकवी भारत नहीं आएंगे

- **आईसीसी बोर्ड मीटिंग में ऑनलाइन जुड़ेंगे, आईपीएल फाइनल के लिए बुलावा नहीं मिला**

नईदिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी भारत नहीं आएंगे। उन्हें अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए न्योता नहीं भेजा गया है। वे 31 मई को होने वाली आईसीसी की सालाना बोर्ड मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ेंगे। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जो सदस्य यात्रा नहीं कर पाते, उनके लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मीटिंग में शामिल होने का विकल्प पहले से मौजूद है। इससे पहले मीडिया ने बताया था कि नकवी को भारत आने का निमंत्रण मिला है और उन्होंने इसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है।आईसीसी की यह बैठक पहले पिछले महीने दोहा में होनी थी, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण इसे टाल दिया गया था। अब यह बैठक आईपीएल फाइनल के दिन अहमदाबाद में होगी।

आरएसएस महासचिव ने कहा था- भारत-पाक में खेलकूद होना चाहिए - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने 12 मई को कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे को वीजा भी देना चाहिए। खेलकूद और व्यापार भी होना चाहिए। लेकिन पुलवामा जैसे हमले का जवाब भी मजबूती से देना होगा।

मुंबई अटैक के बाद भारत ने कहा था- आतंकवाद और खेल साथ-साथ नहीं चल सकते - 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत सरकार का रुख काफी सख्त हो गया। हमले में लगभग 166 लोगों की मौत हुई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

फ्रेंच ओपन से हटने पर नाओमी की आलोचना हुई थी

- **बोलीं- दूसरों को खुश करने में हम खुद को खो देते हैं, 'ना' कहना जरूरी**

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया अक्सर कामयाबी को सिर्फ उपलब्धियों में मापती है। कितने मैच जीते, कितने रिकॉर्ड बनाए, कितनी बार लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरे। लेकिन बहुत कम लोग यह समझ पाते हैं कि किसी इंसान की असली ताकत सिर्फ उसके किए हुए कामों में नहीं, बल्कि उन चीजों में भी छिपी होती है जिन्हें करने से उसने इनकार किया। दुनिया की मशहूर टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उन्होंने सिर्फ जीतना नहीं सीखा, बल्कि सही समय पर 'ना' कहना भी सीखा और शायद यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया।

जापान की ओसाका जैसे-जैसे सफल होती गईं, वैसे-वैसे उनके आसपास उम्मीदों का दायरा भी बढ़ता गया जैसे कि शानदार प्रदर्शन, मुस्कुराहट, इंटरव्यू, हर मंच पर मौजूदगी। ओसाका भी लंबे समय तक हर किसी को खुश रखने की कोशिश करती रहीं। वे बताती हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि अगर मैंने किसी चीज के लिए मना किया तो लोग निराश हो जाएंगे।' लेकिन धीरे-धीरे यह आदत बोझ बनने लगी। लगातार काम, मानसिक दबाव, खुद को हर समय साबित करने की कोशिश ने उन्हें थका दिया। बाहर से वे सफल खिलाड़ी दिखती थीं, लेकिन अंदर एक संघर्ष चल रहा था।

फिर उन्होंने साल 2021 के फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला कर लिया। यह फैसला खेल जगत के लिए चौंकाने वाला था। आलोचना भी हुई, सवाल भी उठे। लेकिन ओसाका के लिए यह सिर्फ एक फैसला नहीं था, बल्कि खुद को बचाने की शुरुआत थी। वे कहती हैं, 'उस समय मैंने पहली बार समझा कि मुझे हर वह चीज करने की जरूरत नहीं है, जिसकी लोग मुझसे उम्मीद करते हैं। खुद को बचाना भी जरूरी होता है।' यही वह मोड़ था, जहां 'ना' कहना उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया। उन्होंने महसूस किया कि हर बार दूसरों को खुश करने की कोशिश में इंसान खुद को खो देता है। कई बार इंकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि खुद के प्रति जिम्मेदारी होती है।

ओसाका ने धीरे-धीरे सीमाएं तय करनी शुरू कीं। उन्होंने उन कामों से दूरी बनानी शुरू की, जिनमें उनका मन नहीं लगता था। मानसिक शांति को प्राथमिकता देना सीखा। मां बनने के बाद उनकी सोच और मजबूत हो गई। अब उनका हर फैसला सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि बेटी के लिए भी था। ओसाका ने बताया, 'अब जब मैं 'ना' कहती हूं, तो अपराधबोध नहीं होता क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं अपनी शांति और परिवार की सुरक्षा के लिए ऐसा कर रही हूं।'

28 वर्षीय ओसाका की कहानी सिर्फ सफल खिलाड़ी की कहानी नहीं है। यह उस इंसान की कहानी है, जिसने दुनिया को समझाया कि सफलता सिर्फ हर मौके को पकड़ने से नहीं मिलती। कई बार जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह तय करना जरूरी होता है कि हमें क्या नहीं करना है, और शायद इसी वजह से उनका सबसे मजबूत हथियार कोई टेनिस शॉट नहीं, बल्कि सही समय पर कहा गया एक छोटा-सा 'ना' बन गया।

संक्षिप्त समाचार

कांगो और युगांडा में इबोला वायरस का कहर, डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल किया घोषित

अबूजा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस

अधानोम घेब्रेयसस ने कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा रविवार, 17 मई 2026 को 300 से अधिक संदिग्ध मामलों और 88 मौतों के बाद की गई। डब्ल्यूएचओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह प्रकोप बुंडिबुग्यो वायरस के कारण हुआ है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यह स्थिति कोविड-19 महामारी जैसी नहीं है। यह प्रकोप महामारी आपातकाल के मानदंडों को पूरा नहीं करता है। डब्ल्यूएचओ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बंद न करने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य अनावश्यक यात्रा और व्यापार प्रतिबंधों से बचना है। संगठन ने प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। इबोला एक गंभीर और अक्सर घातक बीमारी है। यह वायरस संक्रमित जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षणों में बुखार, उल्टी और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ ने संक्रमण को रोकने के लिए सख्त उपायों की सिफारिश की है। इसमें स्वच्छता और संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाए रखना शामिल है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व

मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की। यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है। आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा। कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। वालेंसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

तकनीक, शिक्षा, सेहत और खनिजः नीदरलैंड दौरे पर पीएम मोदी की मौजूदगी में 17 बड़े फैसले; सेमीकंडक्टर पर भी साझेदारी

एम्सटर्डम, एजेंसी। भारत और नीदरलैंड के रिश्तों में नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 17 बड़े समझौते और साझेदारियां हुईं। इन समझौतों का असर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा, खेती, सेहत, डेयरी, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दोनों देशों ने साफ कहा कि ये फैसले आने वाले समय में विकास, रोजगार, निवेश और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देंगे।

भारत और नीदरलैंड ने 2026-2030 रणनीतिक साझेदारी रोडमैप तैयार किया है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार, तकनीक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इससे भारत को नई तकनीक, रोजगार और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। रक्षा, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन पर भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। नीदरलैंड ने चोल काल की ऐतिहासिक तांबे की पट्टिकाएं भारत लौटाने पर सहमति दी। इससे भारतीय इतिहास और संस्कृति को नई पहचान मिलेगी। रिसर्च और संग्रहालयों को भी फायदा होगा। भारत और नीदरलैंड के बीच वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति बनी। इससे भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और कामगारों को पढ़ाई और

नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप और लंबी अवधि के वीजा में भी सहूलियत मिलेगी।

दोनों देशों के विश्वविद्यालय अब संयुक्त रिसर्च और डिग्री कार्यक्रम चला सकेंगे। भारतीय छात्रों और शिक्षकों को डच यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और रिसर्च के नए मौके मिलेंगे।

नीति आयोग और नीदरलैंड के बीच ऊर्जा परियोजनाएं...

ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा और नई तकनीक पर संयुक्त परियोजनाएं चलाई जाएंगी। इससे निवेश और उद्योगों को फायदा मिलेगा। किसानों, डेयरी और स्वास्थ्य क्षेत्र में क्या बदलेगा?

कल्पसर परियोजना में तकनीकी सहयोग...: गुजरात की बड़ी जल परियोजना में नीदरलैंड तकनीकी मदद देगा। इससे पेयजल, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ सकती है।

फ्लावर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, त्रिपुरा...: फूलों की खेती को आधुनिक तकनीक मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

बंगलूरू में इंडो-डच डेयरी सेंटर..: डेयरी किसानों और पशुपालन क्षेत्र को नई तकनीक और प्रशिक्षण मिलेगा। इससे दूध उत्पादन और गुणवत्ता सुधरेगी।

पशुपालन और डेयरी सहयोग...: भारतीय पशुपालन क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, बीमारी नियंत्रण और स्किल ट्रेनिंग का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग...: सार्वजनिक स्वास्थ्य, मेडिकल रिसर्च और वैज्ञानिक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया। भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में यह सहयोग मदद करेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए यह समझौता हुआ। इससे कारोबारियों को राहत मिलेगी। दोनों देशों ने निवेश, हरित विकास, खाद्य सुरक्षा, जल प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमति दी। तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था? इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी।

ब्रिटेन का संग्रहालय जैन समुदाय को लौटाएगा 2000 दुर्लभ पांडुलिपियां

वॉशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटेन से भारत और जैन समुदाय के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। लंदन के प्रमुख संग्रहालयों में शुमार वेलकम कलेक्शन ने एक सदी से भी अधिक समय से अपने पास रखी जैन धर्म की 2,000 से ज्यादा दुर्लभ पांडुलिपियों को वापस लौटाने का एक बड़ा फैसला लिया है।

यह ऐतिहासिक फैसला इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी के साथ लंबे संवाद और आपसी सहयोग के बाद लिया गया है। यह दक्षिण एशिया के बाहर मौजूद जैन पांडुलिपियों का सबसे बड़ा संग्रह माना जाता है। इस बड़े कदम से जैन समुदाय को अपनी पुरानी और मूल्यवान धरोहर वापस मिल रही है।

क्या है इन दुर्लभ पांडुलिपियों का इतिहास और महत्व?

लंदन से वापस लौटाई जा रही इन 2000 पांडुलिपियों का इतिहास 15वीं शताब्दी से लेकर 19वीं शताब्दी तक फैला हुआ है। इस विशाल संग्रह में धर्म, साहित्य, चिकित्सा और संस्कृति से जुड़ी कई दुर्लभ सामग्री शामिल है। ये सभी महत्वपूर्ण ग्रंथ प्राकृत, संस्कृत, गुजराती, राजस्थानी और प्रारंभिक हिंदी जैसी प्राचीन लिपियों में सुरक्षित रखे गए हैं। महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से इसका क्या संबंध है? इस खास संग्रह में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नैतिक सिद्धांतों का एक बहुत ही प्रारंभिक और प्रभावशाली उदाहरण भी मौजूद है। यह वही सिद्धांत हैं जिनसे महात्मा गांधी ने प्रेरणा ली थी और बाद में उन्होंने इसे लोकप्रिय बनाया था। इस पुराने दस्तावेज में भारत में ब्रिटिश शासन की बुनियाद की बहुत ही तीखी आलोचना की गई है। इन हजारों दस्तावेजों के बीच साल 1688 की एक बहुत ही पतली,

नाजुक और जर्जर कागजी पांडुलिपि भी संग्रह में मिली है। इस पांडुलिपि को प्रारंभिक हिंदी के सबसे पहले चिकित्सा ग्रंथ 'वैद्य मनोत्सव' (1592) की सबसे पुरानी सुरक्षित प्रति माना जाता है। यह चिकित्सा के इतिहास के लिहाज से एक बहुत ही अहम दस्तावेज है। इस ऐतिहासिक वापसी को लेकर कई अहम कदम उठाए गए हैं। इस सप्ताह वेलकम ट्रस्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी और बर्मिंघम विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस विशाल संग्रह को प्रारंभिक रूप से बर्मिंघम विश्वविद्यालय में स्थित 'धर्मनाथ नेटवर्क इन जैन स्टडीज' के पास सुरक्षित रखा जाएगा। यहां शोधकर्ताओं और जैन समुदाय के लोगों को इन प्राचीन पांडुलिपियों का गहराई से अध्ययन करने की पूरी सुविधा मिलेगी। इन ऐतिहासिक ग्रंथों की व्याख्या की जाएगी और लोगों के समझने के लिए इनका आसान भाषा में अनुवाद भी किया जाएगा। इन दुर्लभ और पवित्र पांडुलिपियों की वापसी से जैन समुदाय में काफी खुशी है। इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी के प्रबंध न्यासी मेहुल संघराजका ने इस कदम का खुले दिल से स्वागत किया है। इस साहसिक निर्णय को बेहद ऐतिहासिक बताया है। मेहुल संघराजका का मानना है कि 2,000 पवित्र ग्रंथों को लौटाने का यह कदम केवल जैन समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य सभी धार्मिक समुदायों के लिए भी एक बहुत बड़ा आदर्श है।

होर्मुज में जहाजों पर हमले और आवाजाही बाधित करना अस्वीकार्य, संयुक्त राष्ट्र में भारत की खरी-खरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा और उर्वरक संकट पर भारत का दृष्टिकोण रखा। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा और आवाजाही की स्वतंत्रता में बाधाओं पर चिंता जताई। हरीश ने वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और नागरिक चालक दल को खतरे में डालने को अस्वीकार्य बताया। साथ ही भारत ने जोर देकर कहा कि सुरक्षित समुद्री मार्गों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन होना चाहिए।

बता दें कि, पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की विशेष बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य ऊर्जा और आपूर्ति प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अल्पकालिक और संरचनात्मक उपाय आवश्यक हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरीश ने 'एक्स' पर लिखा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए।

ईरान का नया समुद्री तंत्र: ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को विनियमित करने के लिए एक पेशेवर तंत्र की घोषणा की है। ईरानी संसद के एनएससी प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने 'एक्स' पर बताया कि यह तंत्र जल्द ही अनावरण होगा। इसे ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता के तहत विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस तंत्र से केवल ईरान के साथ सहयोग करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को लाभ मिलेगा। यह मार्ग 'स्वतंत्रता परियोजना' से जुड़े ऑपरेटरों के लिए बंद रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए शांति समझौता नहीं हुआ तो बहुत बुरा समय आएगा। इस बीच, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में शांति का प्राथमिक अवरोधक है। अराघची ने दावा किया कि 40 दिनों के युद्ध के बाद अमेरिका ने बातचीत का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में

इस कदम पर गहरा संदेह है। अराघची ने अमेरिकियों पर अविश्वास व्यक्त किया और इसे किसी भी कूटनीतिक प्रयास में मुख्य बाधा बताया। ओमान तट पर भारतीय जहाज पर हमला दरअसल, कुछ दिन पहले ओमान तट के पास भारत के झंडे वाले एक व्यापारिक जहाज पर हमला हुआ था। यह जहाज सोमालिया से रवाना हुआ था। ओमान की अधिकारियों ने जहाज पर मौजूद सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया, लेकिन हमला किसने किया, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। यह ओमान के पास स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया की करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा सप्लाई गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया के तेल और गैस बाजार पर असर डाल सकता है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

इराक में अली अल-जैदी सरकारः यूएस-ईयू से लेकर ईरान-तुर्किये में कैसा माहौल

तेहरान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा। सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे। संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी कर रहा अमेरिका? ट्रंप के पोस्ट से पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव के बीच एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर साझा की, जिसमें वह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैप पहनकर अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ युद्धपोत पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में समुद्र में तूफानी मौसम और पीछे ईरानी जहाज भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ट्रंप ने लिखा, 'यह तूफान से पहले की शांति थी'। ट्रंप के इस संदेश को सीधे तौर पर ईरान के लिए चेतावनी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर से हवाई हमले शुरू करने के विकल्प पर चर्चा कर रहा है। बताया जा रहा है कि अगर कूटनीतिक बातचीत सफल नहीं होती, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई का रास्ता अपना सकता है। वहीं, एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप अपनी ईरान नीति को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित सैन्य योजनाओं पर चर्चा चल रही है। इससे पहले भी ट्रंप ईरान को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर जल्द कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के लिए 'बहुत बुरा समय' आ सकता है। दूसरी तरफ ईरान भी अपने रुख पर कायम नजर आ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका की ओर से बातचीत शुरू करने के संकेत मिले हैं, लेकिन तेहरान को अभी भी वॉशिंगटन की नीयत पर भरोसा नहीं है। वहीं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान की 14

सूत्रीय शांति योजना के अलावा कोई भी प्रस्ताव बेनतीजा साबित होगा। पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे बड़ा केंद्र फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। ईरान ने यहां शिपिंग कंट्रोल के लिए नया प्रस्ताव भी दिया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि कुछ समुद्री रास्तों को सीमित किया जा सकता है, जबकि ईरान के साथ सहयोग करने वाले व्यावसायिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि पिछले महीने युद्धविराम की घोषणा हुई थी, लेकिन हालात अभी भी बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी नौसैनिक मौजूदगी मजबूत कर रखी है। ऐसे में ट्रंप के नए बयान और सैन्य कार्रवाई की अटकलों ने पश्चिम एशिया में एक बड़े टकराव की आशंका को फिर बढ़ा दिया है।

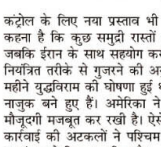

मालदीव में इटली के पांच गोताखोरों की मौत, दो दिन बाद भी एक ही शव हो सका बरामद

रोम, एजेंसी। मालदीव में एक गुफा के अंदर स्कूबा डाइविंग के दौरान इटली के पांच गोताखोरों की मौत के बाद शुक्रवार को भी खोज अभियान जारी रहा। इस अभियान में इटली के एक विशेषज्ञ भी पुलिस गोताखोरों और बचाव नौकाओं के समूह में शामिल हुआ।

इटली के पांच नागरिकों की मौत गुरुवार को हुई थी, इसके बाद से ही बचाव अभियान और जांच तेज हो गई है। इटली के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ये पांचों गोताखोर कथित तौर पर गुरुवार को 50 मीटर (164 फीट) की गहराई पर गुफाओं का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे, जब यह दुर्घटना हुई। उनकी मौत के सटीक कारणों और परिस्थितियों की अभी जांच की जा रही है।

मालदीव के अधिकारियों ने गुरुवार को घटना के बाद एक बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें नावें, विमान और गोताखोर दल शामिल थे। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के अनुसार, एक गोताखोर का शव एक गहरे पानी के नीचे की गुफा में मिला था, जिसे लगभग 60 मीटर (200 फीट) की गहराई से निकाला गया।

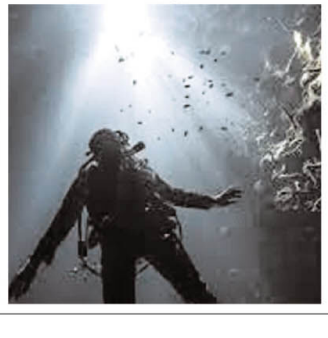

शेष चार गोताखोरों के उसी गुफा में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने इसे एक खतरनाक और उच्च जोखिम वाला अभियान

बताते हुए अतिरिक्त टीमों और विशेष उपकरणों को भेजा है। हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण शवों को निकालने के प्रयासों में देरी हो सकती है।

इटली का विदेश मंत्रालय शवों की बरामदगी के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सका है। मंत्रालय ने बताया कि इटली के एक विशेषज्ञ शुक्रवार को तटरक्षक बल और मालदीव के जहाजों की सहायता कर रहे थे। अधिकारियों ने वावु एटोल में पानी के नीचे की गुफा तक पहुंचने के लिए गोता लगाने की योजना बनाई थी। इटली के कोलंबो में राजदूत, जो मालदीव के साथ संबंधों की देखरेख करते हैं, राजधानी माले में तटरक्षक अधिकारियों से मिलने के लिए पहुंचे हैं। इतालवी दूतावास पीड़ितों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें सहायता प्रदान कर रहा है।

कैसे हुआ था हादसा?

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इटली के गोताखोरों का यह समूह गुरुवार की सुबह अलीमथा के पास गोताखोरी कर रहा था। दोपहर तक सतह पर वापस न आने पर उन्हें लापता घोषित कर दिया गया था। उस समय मौसम की स्थिति को प्रतिकूल बताया गया था और मौसम के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया था।

इस्राइल का हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर को मार गिराने का दावा, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि उसकी सेना ने शुक्रवार को गाजा सिटी में किए गए एक हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख नेताओं में शामिल इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को मार गिराया। इस्राइल के मुताबिक हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में से एक था। इस्राइल ने गाजा पट्टी में एक बहुत बड़ा हवाई हमला किया। इस बार इस्राइल के निशाने पर सीधे तौर पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। अब उसकी मौत का खबर साने आ रही है। बताया गया कि उसने यह जिम्मेदारी अपने पूर्ववर्ती मो. सिनवार की मौत के बाद संभाली थी। मोहम्मद सिनवार भी इस्राइल कार्रवाई में मारा गया था। आज हद्दाद के परिवार ने एसोसिएटेड प्रेस को उसकी मौत की पुष्टि की। इस्राइल इसे अपनी सैन्य कार्रवाई की बड़ी सफलता मान रहा है, जबकि क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। हद्दाद की मौत ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल और हमास के बीच संघर्षविराम बेहद नाजुक स्थिति में है। हमास के निरस्त्रीकरण समेत कई अहम मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाई है, जिसके कारण युद्धविराम समझौते की प्रगति धीमी पड़ गई है।

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढ़ता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपड़े पहनने से भी वास्तु दोषों में बढ़ोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपड़े नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

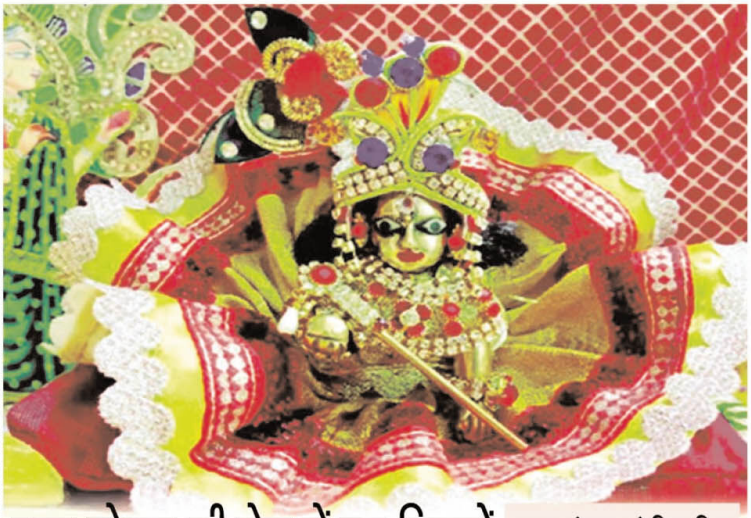

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियां को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।

आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाए तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में है।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चामत्कारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वारदशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्ति होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है।

दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।